डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-aadhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

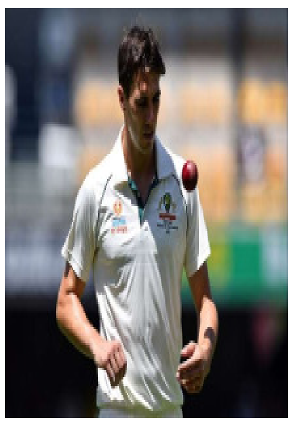

PG,5

आधुनिक समाचार

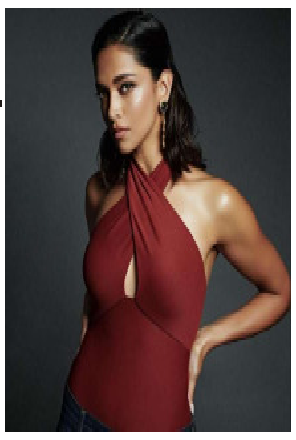

PG,8

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमाःदीपिका पादुकोण ने प्यार को क्यों बताया बोझिल

वर्ष -07 अंक -336 | प्रयागराज, गुरूवार 10 फरवरी, 2022 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने बिना कैप्शन के ट्विटर पर शेयर की नेता मणिशंकर अय्यर की तस्वीरें, यूजर्स हैरान; पूछी वजह

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर सोमवार शाम से चर्चाओं में हैं। इसकी वजह यह है कि कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल से नेता की तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें बिना किसी शीर्षक के शेयर की गई हैं, जिसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स तरह तरह के कयास लगा रहे हैं। तस्वीर पोस्ट करने के बाद सोशल मीडिया पर रिएक्शंस की बाढ़ आ गई है। यूजर्स को समझ नहीं आ रहा है कि इन पोस्ट्स के पीछे कांग्रेस का उद्देश्य क्या है। सोमवार को लोकसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण को लेकर हुई चर्चा पर जवाब दिया। इस दौरान पीएम मोदी ने अपने भाषण में कांग्रेस की तीखी आलोचना की और पार्टी को 'टुकड़े-टुकड़े गिरोह का लीडर' करार दिया। पीएम मोदी के भाषण के कुछ देर बाद ही कांग्रेस ने अपने ट्विटर हैंडल पर मणिशंकर अय्यर की तस्वीर साझा की। पहली तस्वीर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से बिना किसी कैप्शन के शेयर की गई। कुछ ही देर में कांग्रेस छत्तीसगढ़ और तेलंगाना कांग्रेस के हैंडल से और तस्वीरें शेयर की गई और इनके साथ भी कोई कैप्शन नहीं था। बिना कैप्शन वाली मणिशंकर अय्यर की तस्वीरों के कमेंट बाक्स में बिना सोचे-समझे लोग शोक संदेश लिखे रहे हैं, तो कई यूजर्स कांग्रेस से फोटो पोस्ट करने का कारण पूछ रहे हैं।

आनलाइन और मान्यता प्राप्त मीडियाकर्मियों और संस्थानों के लिए सरकार ने जारी किए नए दिशा निर्देश

नई दिल्ली। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा है कि देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता के साथ-साथ सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता के लिए हानिकारक तरीके से काम करने वाले पत्रकार अपनी सरकारी मान्यता खो देंगे। सेंट्रल मीडिया एक्रेडिटेशन गाइडलाइंस-2022 में आनलाइन न्यूज प्लेटफार्म के लिए काम करने वाले पत्रकारों की मान्यता के लिए दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। सरकार की तरफ से कहा गया है कि फिलहाल न्यूज एग्रीगेटर्स को मान्यता देने के मुद्दे पर विचार नहीं किया जा रहा है। नई नीति के मुताबिक यदि कोई पत्रकार देश की सुरक्षा, संप्रभुता और अखंडता, विदेशी राज्यों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंधों, सार्वजनिक व्यवस्था, शालीनता या नैतिकता, या किसी भी संबंध तो उसकी मान्यता रद की जा सकती है या फिर वो अपने निलंबन के लिए उत्तरदायी होगा। इसमें अदालत की अवमानना, मानहानि या अपराध के लिए उकसाना भी शामिल है।

आम बजट पर आज भी जारी चर्चा, वित्त मंत्री 10 और 11 फरवरी को देंगी जवाब

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र की कार्यवाही आज भी जारी रहेगी। संसद के दोनों सदनों राज्यसभा और लोकसभा में आम बजट 2022-23 पर चर्चा जारी रहेगी। अर्थव्यवस्था को लेकर सांसद अपने विचार और सुझाव रखेंगे। वहीं, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 10 और 11 फरवरी को इस चर्चा का जवाब देंगी देश में ईसाई अल्पसंख्यकों और उनकी संस्थाओं पर हो रहे हमले को लेकर कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया। भाजपा सांसद सीमा द्विवेदी ने संसद भवन में भारत रतन लता मंगेशकर की तस्वीर लगाने को लेकर राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया है। झारखंड में कोयले के अवैध खनन को लेकर भाजपा सांसद दीपक प्रकाश ने राज्यसभा में शून्यकाल नोटिस दिया है। संसद के दोनों सदनों में शिक्षा, महिला, बाल विकास, युवा कार्यक्रम और खेल संबंधी स्थायी समिति के प्रतिवेदन पेश होंगे।- सभा की बैठकों से सदस्यों की अनुपस्थिति संबंधि समिति के विवरण भी लोकसभा में पेश होंगे। आज लोकसभा की संचार और सूचना प्रोद्योगिकी पर स्थायी समिति की बैठक होगी। साथ ही वित्त संबंधी स्थायी समिति की बैठक भी होगी।

'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' का दर्शन करने के लिए पहुंचे अमित शाह, कहा- ऐसे स्मारक सालों तक काम करने की देते हैं प्रेरणा

हैदराबाद। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को संत रामानुजाचार्य को श्रद्धांजलि देने के लिए 'स्टैच्यू ऑफ इक्वलिटी' के दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के महापुरुषों के स्मारक लोगों को सालों तक काम करने की चेतना और उत्साह देते हैं। यहां सभी प्रकार की पूजा व्यवस्थाओं और प्रणालियों को रखने और संरक्षित करने का कार्य भी किया गया है। श्री रामानुजाचार्य जी ने जातिगत भेदभाव को समाप्त

करने का काम किया। उन्होंने वेदों का सार लिया और समाज में रखा, कई क्रूर रीति-रिवाजों को तोड़ दिया। ज्ञात हो कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को यहां 11वीं सदी के संत और समाज सुधारक रामानुजाचार्य की 216 फुट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया था। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने शमशाबाद स्थित 'यज्ञशाला' में पूजा की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि संत रामानुजाचार्य की यह प्रतिमा भारत और विश्व में समानता का प्रतीक है।

देश में आजादी के बाद से एससी-एसटी को छोड़कर जातिगत जनगणना नहीं हुई, सरकार ने लोकसभा में दी जानकारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा को बताया कि उसने स्वतंत्रता के बाद से

अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) को छोड़कर जाति आधारित जनगणना नहीं की है। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने लोकसभा में एक प्रशन के लिखित उत्तर में कहा कि जनगणना 2021 कराने की सरकार की योजना को 28 मार्च, 2019 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित कर दिया गया था मंत्री ने बताया कि कोविड-19 महामारी के कारण जनगणना और संबंधित गतिविधियों को अगले आदेश तक के लिए टाल दिया गया है। राय ने कहा, संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950 और संविधान (अनुसूचित जनजाति) 1950 के अनुसार अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के रूप में विशेष रूप से अधिसूचित जातियों और जनजातियों की जनगणना में गिनती की जाती है। इन आदेशों में समय समय पर संशोधन होता रहता है।

देश में घटने लगे कोरोना के नए मामले, दिल्ली में एक हजार और कर्नाटक में आए ४ हजार से अधिक केस, जानिए अन्य राज्यों का हाल

नई दिल्ली। देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में समग्र रूप से सुधार नजर आने लगा है। नए मामले घट रहे हैं, दैनिक और साप्ताहिक संक्रमण दर कम हो रही है और सक्रिय मामलों में भी लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। केरल सरकार द्वारा पिछले कुछ दिनों से पहले हुई मौतों को नए आंकड़ों के साथ जारी करने से मौतों की संख्या जरूर बढ़ी हुई नजर आ रही है, लेकिन महामारी की वजह से वास्तविक मौतों में भी कमी आई है। मंगलवार शाम को जारी हुए आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कोरोना के 1,114 नए मामले सामने आए हैं। 2,079 लोग ठीक हुए हैं और 12 लोगों की मृत्यु हुई है। दिल्ली में अब कोरोना के 6,908 सक्रिय मामले हैं कर्नाटक में पिछले 24 घंटों में 4,452 कोरोना के नए मामले आए हैं। 19,067 रिकवरी और 51 मौतें दर्ज की गई हैं। राज्य में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 72,414 हैं। तमिलनाडु में कोरोना

के 4,519 नए मामले आए हैं। इस दौरान 20,237 लोग ठीक हुए हैं और 37 लोगों की मृत्यु हुई है।महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कोरोना वायरस के 447 नए मामले आए हैं। 798 लोग ठीक हुए हैं और एक मृत्यु हुई है। सक्रिय मामलों की संख्या 4,783 है। असम में कोरोना वायरस के 431 नए मामले आए हैं। 1,246 लोग ठीक हुए हैं और 8 लोगों की मृत्यु हुई है। पश्चिम बंगाल में कोरोना के 736 नए मामले आए हैं। इस दौरान 1,559 लोग ठीक हुए हैं और 32 लोगों की मृत्यु हुई है।केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार सुबह आठ बजे के नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में सक्रिय मामलों में 1.14 लाख की कमी आई है। अब सक्रिय मामले 9,94,891 रह गए हैं जो कुल मामलों का 2.35 प्रतिशत है। 11 जनवरी को सक्रिय मामले 9.55 लाख थे। इस दौरान 67,597 नए मामले मिले। इससे कम 55 हजार मामले चार जनवरी को पाए गए उपरोक्त अवधि में 1,188 मौतें हुई हैं, जिसमें 860 मौतें अकेले केरल से हैं। इसमें भी केरल में पिछले एक दिन में सिर्फ 14 मौतें हुई हैं, बाकी के आंकड़े पहले हुई मौतों के हैं। इस तरह एक दिन में देशभर में 342 मौतें ही हुई हैं। दैनिक संक्रमण दर 5.02 प्रतिशत और साप्ताहिक संक्रमण दर 8.30 प्रतिशत दर्ज की गई है। मरीजों के उबरने की दर बढ़कर 96.46 प्रतिशत हो गई है और मृत्युदर 1.19 प्रतिशत पर बनी हुई है। कोविन पोर्टल के आंकड़ों के मुताबिक मंगलवार शाम छह बजे तक देशभर में कोरोना रोधी वैक्सीन की कुल 170.77 करोड़ डोज लगा दी गई थीं। इनमें 95.35 करोड़ पहली, 73.92 करोड़ दूसरी और 1.49 करोड़ सतर्कता डोज शामिल हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक अभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के बास टीकाकरण में उपयोग करने के लिए 11.81 करोड़ डोज उपलब्ध हैं।

हमें मिले हैं कुछ वीडियो जिसके आधार पर होगी गिरफ्तारी

शिवमोगा। कर्नाटक हिजाब मामले में शिवमोगा के एसपी बीएम लक्ष्मी प्रसाद ने मंगलवार को कहा, 'आज शिवमोगा में एक घटना हुई जिसमें दो गुटों के बीच पत्थरबाजी हुई। इसमें दो लोग घायल हो गए।

पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर हालात पर नियंत्रण किया। पत्थरबाजी करने में छात्रों के अलावा कुछ असामाजिक तत्व भी शामिल थे। उन्होंने आगे बताया हमें कुछ वीडियो मिले हैं जिसके आधार पर हम गिरफ्तारी करेंगे। मामले में तीन दायर की गई है। साथ ही कहा गया कि पोल में राष्ट्रीय ध्वज उतारकर भगवा झंडा लहराया गया जो कि सत्य नहीं है उस पोल पर राष्ट्रीय ध्वज नहीं था, पोल खाली था। कर्नाटक में हिजाब विवाद बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को राज्य में कई जिलों के कालेजों में उग्र प्रदर्शन व पथराव की घटनाओं के बाद पुलिस को लाठीचार्ज के साथ आंसू गैस के गोले दागने पड़े। माहौल खराब होते देख मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने अगले तीन दिन तक सभी स्कूल-कालेजों में छुट्टी घोषित कर दी। राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र ने कहा कि किसी को भी पुलिस को बल का प्रयोग करने को मजबूर नहीं करना चाहिए। कर्नाटक हाईकोर्ट ने छात्रों और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते हुए कहा कि कुछ लोग इस मामले को जिंदा रखना चाहते हैं। कोर्ट में अब मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। कर्नाटक के प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा मंत्री बीसी नागेश ने बताया कि एक रिपोर्ट के अनुसार कैंपस फ्रंट आफ इंडिया (सीएफआइ) ने विवाद को हवा दी है। इस बीच हिजाब विवाद पुडुचेरी भी पहुंच गया है। अरियंकुप्पम में एक मुस्लिम छात्रा के हिजाब पहनने पर शिक्षक के आपत्ति करने पर स्कूली शिक्षा निदेशालय ने विद्यालय के प्रमुख से जवाब तलब किया है। माह की शुरुआत में उडुपी के एक सरकारी कालेज में छह छात्राओं के कक्षा में हिजाब पहनकर आने के बाद शुरू हुआ था। धारा 144 लागू की गई, धार्मिक नारेबाजी कर्नाटक के उडुपी, शिवमोगा, बागलकोट और अन्य क्षेत्रों में स्थित शैक्षणिक संस्थानों में तनाव के चलते पुलिस और प्रशासन को हस्तक्षेप करना पड़ा।

देश में पहली बार वरिष्ठ नागरिक कोविड मरीज घर से डालेंगे वोट किए जाएंगे इंतजाम

इंफाल । मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने मंगलवार को कहा कि मणिपुर विधानसभा चुनाव के दौरान देश में पहली बार वरिष्ठ नागरिकों, कोविड मरीजों और

दिव्यांग मतदाताओं को डाक मतपत्र के जरिये घर से वोट डालने की अनुमति होगी। पत्रकारों से बात करते हुए चंद्रा ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक, कोविड मरीज और दिव्यांग मतदाता अपने घर पर संबंधित उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों, माइक्रो पर्यवेक्षकों और बूथ लेवल अधिकारियों की उपस्थिति में वोट डाल पाएंगे। गोपनीयता और पारदर्शिता का पालन किया जाएगा। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी कराई जाएगी।प्रेट्र के अनुसार, चंद्रा ने राज्य में दो चरणों 27 फरवरी और तीन मार्च को होने वाले चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग चुनावों में सरकारी मशीनरी और धन बल के दुरुपयोग को कतई सहन नहीं करेगा। मतदान अधिकारियों की दुर्भावनापूर्ण मंशा या पक्षपात करने के बारे में पता चलने पर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मतदाता निर्वाचन आयोग के 'सीविजिल एप' पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की रिपोर्ट कर सकते हैं। उन्होंने चुनौतियों के बावजूद लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के राज्य के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मणिपुर में 16.4 प्रतिशत मतदान केंद्रों का प्रबंधन महिलाओं द्वारा किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त चंद्रा ने कहा कि आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों और ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान में उतारने वाले राजनीतिक दलों को उनके बारे में विस्तृत जानकारी प्रकाशित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों के लिए यह भी अनिवार्य है कि वे उन उम्मीदवारों के बारे में जिनके खिलाफ आपराधिक मामले लंबित हैं, विस्तृत जानकारी समाचार पत्रों और इंटरनेट मीडिया में प्रचारित करें। साथ ही इस तरह के चयन का कारण भी बताएं।

आरबीआइ की मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक शुरू, महंगाई और अंतरराष्ट्रीय अस्थिरता पर होगी नजर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) की मौद्रिक नीति समिति की तीन दिवसीय बैठक मंगलवार को शुरू हुई। बैठक के

नतीजों की घोषणा 10 फरवरी को होगी। आरबीआइ की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की इस बैठक में वित्त 2022-23 के आम बजट, महंगाई संबंधी चिंताओं और कुछ देशों के बीच तनावपूर्ण माहौल को देखते हुए अगले दो महीनों के लिए मौद्रिक नीति पर चर्चा की जाएगी। आरबीआइ के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक पहले सोमवार को शुरू होनी थी, लेकिन लता मंगेशकर के निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए महाराष्ट्र द्वारा सात फरवरी को सार्वजनिक अवकाश घोषित करने के चलते इसे एक दिन आगे बढ़ा दिया गया।जानकारों का एक वर्ग कह रहा है कि एमपीसी प्रमुख नीतिगत या रेपो दर में कोई बदलाव नहीं करेगी। लेकिन केंद्रीय बैंक अपने नीतिगत रुख को एकोमोडेटिव यानी उदार से न्यूट्रल यानी तटस्थ में बदल सकता है। इसके साथ ही नकदी की स्थिति को सामान्य बनाने के लिए रिवर्स रेपो दर में कुछ बदलाव किया जा सकता है।

पशु प्रेमियों के लिए खुशखबरी, चेन्नई में खुला पालतू-जानवरों की थीम वाला रेस्तरां 'ट्विस्टी टेल्स'

चेन्नई। एनिमल लवर्स के लिए एक खुशखबरी है। जी हां चेनन्ई में अब आप अपने पालतू जानवरों को अपने संग रेस्तरां में ले जा सकते हैं। चेनन्ई में, एक पालतू थीम वाला रेस्तरां, ट्विस्टी टेल के नाम से शुरू किया गया है। यह शहर के नुंगमबक्कम इलाके में स्थित है। इस रेस्तरां में ना सिर्फ आप अपने पालतू जानवरों को साथ लेकर जा सकते हैं, बल्कि उनके साथ वहां पर मौज-मस्ती भी कर सकते हैं। पहले लोगों को अपने पालतू जानवरों के साथ रेस्तरां में प्रवेश करने अनुमति नहीं होती थी, जिसके कारण उन्हें तमाम मुश्किलों का सामना करना पड़ता था। चेनन्ई के इस अनोखे रेस्तरां के खुलने से पशु प्रेमियों को काफी राहत और खुशी मिलने वाली है। अब उन्हें अपने पालतू जानवरों को लेकर किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। ट्विस्टी टेल नामक इस रेस्तरां में खाने पीने की सुविधा के साथ-साथ अपने पालतू जानवरों के साथ खेलने के लिए भी एक प्ले जोन बनाया गया है।

प्रतापपुर से अहमद अंसारी के आने से बदला चुनावी समीकरण

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर । विधान सभा 257 प्रतापपुर से पीस पार्टी आज़ाद समाज पार्टी उलमा कौंसिल समाजिक परिवर्तन गठबंधन प्रत्याशी मोहम्मद अहमद अंसारी ने कलेक्ट्रेट परिसर में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं के साथ मंगलवार को अपना नामांकन दाखिल किया। नामांकन के बाद कार्यकर्ताओं ने प्रतापपुर की मजबूरीठ, अहमद अंसारी ज़रूरी। और अहमद अंसारी ज़िंदाबाद के नारे लगाते हुए स्वागत किया। बता दें कि विधान सभा 257 प्रतापपुर से समाजवादी पार्टी ने विजमा यादव को उम्मीदवार बनाया है। कांग्रेस पार्टी से संजय तिवारी, बहुजन समाज पार्टी से घनश्याम पांडेय तथा अपना दल एस व भाजपा गठबंधन से राकेश धर त्रिपाठी चुनावी मैदान में है। वहीं अब अहमद अंसारी के आ जाने से सभी प्रत्याशियों में कांटे की टक्कर हो गई है। वहीं अहमद अंसारी का कहना है कि मैं प्रतापपुर विधान सभा में पिछले दो सालों से जनता के बीच हर सुख दुःख में कंधे से

कंधा मिलाकर हमेशा खड़ा रहा और हमेशा खड़ा रहूंगा। इसलिए यहां की जनता अबकी बार हमको विधायक चुनकर विधान सभा भेजने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रतापपुर विधान सभा विकास से काफी दूर है। यहाँ पर सड़के तालाब बन चुकी है। बिजली के तार जर्जर हो चुके है। पानी की बहुत बड़ी समस्या है। सिंचाई के साधन नही है। कोई डिग्री कॉलेज नही है। ना ही हॉस्पिटल है। चुनाव जीतने के बाद क्षेत्र में जो भी मूलभूत आवश्यक्ताएं है सभी सुविधाएँ तथा वादों को पूरा करने का काम करूंगा।

एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने गोवा में मृतक युवक के परिवार को दी सांत्वना

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बीते 3 दिन पूर्व मैलहन गांव निवासी अमरनाथ रजक के बड़े पुत्र सत्यनारायण रजक उम्र 45 वर्ष जो गोवा में रहकर लॉन्ड्री का काम करता था। अचानक हार्ट अटैक से उसकी मृत्यु हो गई। सूचना घर पहुंची तो कोहराम मच गया। मृतक को कुल 5 बेटी बेटे हैं। सोमवार रात में मृतक का शव प्लेन द्वारा गोवा से लखनऊ फिर गांव लाया गया। तो मजमा लग गया। सूचना पाकर एमएलसी सुरेंद्र चौधरी जो उक्त परिवार के संबंधी भी हैं। देर रात गांव पहुंचे और घर परिवार के लोगों को सांत्वना दी। मौके पर सुनील रजक, गुडू रजक, बन्ने रजक, रामनाथ, अमरनाथ, मसूद खां, अ0 मजीद, भागेलु गौतम आदि लोग मौजूद रहे।

सीओ फूलपुर तथा आबकारी इंस्पेक्टर का शराब की दुकानों पर छापा

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर फूलपुर के सीओ राम सागर तथा फूलपुर की आबकारी इंस्पेक्टर नेहा कुमारी ने संयुक्त रूप से ग्रामीण क्षेत्रों मैलहन, वरना बाजार, फूलपुर, महपूरा,कपसा, बहरिया में देसी अंग्रेजी शराब एवं बियर की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। फिलहाल नकली व जहरीली शराब कहीं भी नहीं मिली। बहरिया के महपूरा में शराब ठेका के कागजात डेट एक्सपायर मिले। जिसका नवीनीकरण नहीं कराया गया था। बता दें। कि देर रात लगभग 8 बजे तक क्षेत्र में चेकिंग कार्यवाही चलती रही।

आंखों में पाउडर डालकर पैसा उड़ाने वाला चढा हत्थे

फूलपुर। फूलपुर तहसील के पास मंगलवार दोपहर एक साधु वस्त्र धारी नवयुवक कुछ लोगों को एकत्रित कर अपनी बातें बताते हुए उन्हें मंत्र मुग्ध कर कोई नशीला पाउडर उड़ा कर अचेत करने का यतन करने लगा। तभी पांच छः लोग पकड़ कर थाने लाये और सिपाहियों के हवाले करके गेरुआ वस्त्र धारी से पूछताछ करने हेतु कहा। बाबा बने युवक ने सारी बातों से इनकार किया। बड़ी मुश्किल से अपना गलत सलत नाम जजबे निवासी हरिद्वार बताया। क्योंकि कोई वारदात की सूचना नहीं थी। इसलिए थाने से उसे डाट फटकार कर यहां से तत्काल घर चले जाने को कहा।

सपा प्रत्याशी अजय मुन्ना का जनसंपर्क जसरा

प्रयागराज। विधानसभा बारा प्रत्याशियों का जनसंपर्क अभियान जोरों पर दिख रहा है सभी प्रत्याशी अपनी अपनी ताकत मतदाताओं के पीछे लगा दिए कार्यकर्ता अपने प्रत्याशी के लिए लोगों से मिलकर के अपनी अपनी तरफ आकर्षित करते हुए सपा उम्मीदवार अजय कुमार मुनन जसरा बाजार में संपर्क करते हुए जसरा व्यापारियों के बीच अपने कार्यकर्ताओं के साथ मतदाताओं से अपील करते आप लोगों का साथ आप लोगों का सहयोग मिले जिस से बारा क्षेत्र में रुके हुए विकास को पूरा कर सकूं मेरी जन्म भूमि बारा है देखिए मतदाताओं का रुझान किस तरफ ज्यादा दिखेगा आगामी 27 फरवरी के दिन दिखेगा संपर्क अभियान में प्रमुख रूप से रतन केसरवानी युवा नेता बिपिन यादव राजू पाल रवि यादव समाजसेवी कृपा शंकर त्रिपाठी सुरेंद्र कुमार केसरवानी व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष के साथ सपा कार्यकर्ता मौजूद

भागीदारी परिवर्तन मोर्चा से मंजू मौर्या का नामांकन वैध

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। विधानसभा 257 प्रतापपुर से भागीदारी परिवर्तन मोर्चा की प्रत्याशी मंजू मौर्या जो जन अधिकार पार्टी की नेता है। अपना नामांकन गठबंधन प्रत्याशी के रूप में पर्चा दाखिल किया था। उनका नामांकन दुरुस्त पाए जाने पर कार्यकर्ताओं ने मंजू मौर्या को फूल मालाओं से लाद दिया और खुशियां मनाई। बता दें कि गठबंधन के तहत ए आई ए आई एम जन अधिकार पार्टी वाममोर्चा द्वारा भागीदारी परिवर्तन मोर्चा बनाया गया है। मौके पर शैलेंद्र कुशवाहा, पूनम, अरविंद, धनराज, आशीष, सनजीत आदि लोग मौजूद रहे।

पति के ख़िलाफ़ चुनाव लड़ेंगी अभिलाषा टोटका- पत्नी के नामांकन को शुभ मानते हैं नंदी

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 के पांचवें चरण के तहत नामांकन का दौर खत्म हो चुका है। जिले में भी विभिन्न

राजनीतिक पार्टियों के प्रत्याशियों ने नामांकन किया। इन्हीं में से एक थीं महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी भी। उन्होंने इलाहाबाद दक्षिणी विधान सभा सीट से अपना पर्चा निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर दाखिल किया। खास बात यह रही कि इसी सीट से उनके पति और यूपी के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी ने भाजपा के टिकट पर नामांकन किया है। यानी अब पति और पत्नी आमने-सामने चुनाव मैदान में इस सीट पर होंगे। बुधवार को सभी उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी। इसके बाद प्रत्याशियों को अपने पर्चे वापस लेने का भी समय दिया जाएगा। इसके बाद भी यदि महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी मैदान में बनी रहेंगी तो इलाहाबाद शहर दक्षिणी का मुकाबला रोचक बन जाएगा। इलाहाबाद शहर दक्षिणी विधान सभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी बने नंद गोपाल गुप्त नंदी ने पत्नी अभिलाषा गुप्ता के नामांकन को लेकर स्पष्ट किया कि वह पत्नी के नामांकन को शुभ मानते हैं। जब-जब वह चुनाव मैदान में नामांकन करते हैं तो पत्नी अभिलाषा भी अपना पर्चा दाखिल करती हैं। ऐसा करना उनके लिए शुभ होता है। बाद में वह अपना पर्चा वापस भी ले लेती हैं।

युवक ने लॉज में फांसी लगाकर की आत्महत्या

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। शाहगंज क्षेत्र में स्टेशन रोड चौकी के पास दिलीप सिंह नामक युवक ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। युवक मध्य प्रदेश का रहने वाला था और शगुन लॉज में रहता था । पुलिस मौत के कारण का पता लगा रही है। मृतक के परिजनों को सूचना दे दी गयी है।

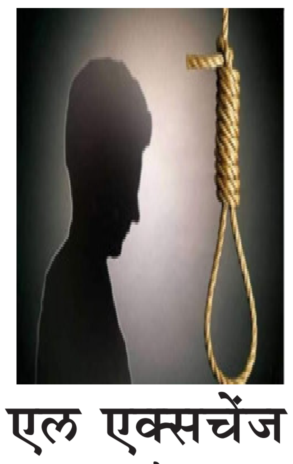

सपा प्रत्याशी फूलपुर को मिल रहा जनता का अपार समर्थन, सपाईयों में

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रयागराज। विधान सभा 256

फूलपुर से सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने सहसों क्षेत्र के बसमहुआ, बरियारी समेत सहसों में सपा कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान उन्होंने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा जारी किए गए घोषडा पत्र के बारे में मीडिया से बात करते हुए। बताया कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सपा का घोषणापत्र जारी किया। समाजवादी पार्टी ने अपने पिछले कार्यकाल में भी जनता से किये गए सभी वादों को निभाया था। इस बार की घोषणा पत्र को राष्ट्रीय अध्यक्ष ने ' वचन पत्र ' का नाम दिया है। जिसमें सभी वर्गो के महिलाओं से लेकर युवाओं, किसानों तथा गरीबों का खासकर ध्यान रखा गया है। मुज्तबा सिद्दीकी ने कहा कि अखिलेश यादव जो कहते है। वो करते है। अखिलेश वचन के पक्के है। वहीं भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि भजपा ने अपने पिछले कार्यकाल में जितने भी बड़े बड़े वादे किये उनमें से एक भी वादा धरातल पर कहीं नहीं दिखा है। उन्होंने कहा की सपा के वचन पत्र में किए गए वादों को सरकार बनाने के बाद अति शीघ्र पूरा किया जायेगा।

फूलपुर फ्लाईओवर ब्रिज मरम्तीकरण हेतु बंद

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। फूलपुर तहसील से लेकर बादशाहपुर रोड के सामने शुक्लाना मोहल्ला तक बना रेलवे ओवरब्रिज मरम्मतीकरण एवं जालिया लगाने हेतु बीती आधी रात से आवागमन हेतु बंद कर

दिया गया। फूलपुर के बरना बाजार से प्रयागराज जाने वाले वाहनों को प्रतापपुर की ओर मोड़ दिया जा रहा है। जबकि प्रतापपुर से जौनपुर की ओर जाने वाले वाहनों को थाना गेट से प्रतापपुर वरना बाजार की ओर डायवर्ट किया जा रहा है। इस हेतु दोनों तरफ पुलिस व्यवस्था करके बैरियर बनाया गया है। बताया जाता है। कि 3 दिनों में कार्य पूरा किया जा सकता है। सबसे ज्यादा फजीहत मुबारकपुर रोड के वाहनों की है जिन्हें सिकंदरा रोड से जाकर कब्रिस्तान के पीछे बाबूपुर की सकरी गली ऊबर खाबर सडकों से ब्लॉक रोड पर निकलकर बस स्टॉप पहुंचना है। जबकि मुबारकपुर रोड से आने वाले पूर्वी रेलवे फाटक 28 सी पार करके बानगी बाजार गोमती इंटर कॉलेज से प्रतापपुर रोड होकर कोतवाली गेट के सामने निकलने हेतु दो ढाई घंटे का समय लग रहा है।

बी एस एन एल एक्सचेंज मैलहन में लटका रहता है ताला

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। अर्सा कई सालों से मैलहन बी एस एन एल एक्सचेंज में प्रभारी ऑपरेटर नवाब खां के रिटायर होने के बाद ताला लटका तो आज तक लटका है। नतीजा यह हुआ कि डिस्ट्रीब्यूटरों ने जरनेटर बंद करके विद्युत

उपकरणों को आन मोड में छोड़ दिया। बिजली आती है तो एक्सचेंज चालू हो जाता है। विद्युत सप्लाई कट जाने के बाद ठप्प पड जाता है। तेल का खेल इस विभाग में जबरदस्त होता देखा गया है। तेल बेचने के बाद जनरेटर चलाने की जरूरत ही नहीं रहती। उपभोक्ताओं का कहना है। कि डीजल बेचने का खेल फूलपुर व आसपास के एक्सचेंजो में तेजी से चल रहा है। मैलहन एक्सचेंज के समक्ष एयरटेल वोडाफोन का टावर है। जो अपने फायदे के लिए बीएसएनएल हमेशा बंद कराए रहते हैं। स्पर्धा के युग में जहां प्राइवेट कंपनियां दिन-रात अपना डाटा रेट बढ़ाये पड़ी हैं। वही बी एस एन एल आज भी सस्ता है। लोग बाग इधर ही भाग नाचकर आ रहे हैं। परंतु जब नेटवर्क रहे तब ना। जिला प्रबंधक से ग्रामीणों ने मामले को संज्ञान में लेकर बेहतर सुविधा जनता को देने की मांग की है तथा वर्षों से धूल चाट रही मशीनों का रखरखाव बेहतर ढंग से किया जाए।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 15 फरवरी 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता ने नामांकन के लिए न्यायालय में दिया पत्र, सुभासपा से लड़ सकते हैं चुनाव

मऊ। पूर्वांचल की सबसे चर्चित 356 मऊ सदर विधानसभा को माफिया विधायक मुख्तार अंसारी के नाम से जाना जाता है। लगातार पांच चुनाव जीत चुके विधायक

छठवीं बार किस दल से मैदान में उतरेंगे यह तस्वीर लगभग साफ हो रही है। विधायक के अधिवक्ता दारोगा सिंह ने सुभासपा के सिंबल पर चुनाव लड़ने के लिए न्यायालय में नामांकन पत्र लिए सहमति पत्र दाखिल किया है। वहीं सुभासपा के जिलाध्यक्ष रामजीत राजभर ने बताया है कि अभी तक पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने ऐसी कोई सूचना नहीं दी है। वहीं बीते दिनों सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर ने भाजपा पर बृजेश सिंह को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए मुख्तार अंसारी का समर्थन करने की बात कही थी। तभी से पूर्वांचल में मुख्तार संग सुभासपा की करीबियों को लेकर चर्चाएं आम होने लगी थीं। इस लिहाज से अदालत से आने वाला फैसला ही तय करेगा कि मुख्तार जेल से चुनाव लड़ेंगे भी या उनको निराशा हाथ लगेगी। इस बाबत अब मुख्तार समर्थकों की निगाह अदालत से आने वाले फैसले पर टिकी हुई है। वहीं अंदरखाने में सुभासपा नेता मुख्तार अंसारी और उनके करीबियों के संपर्क में बने हैं। बांदा जेल में बंद मुख्तार अंसारी को सुभासपा ने मऊ सदर विधानसभा सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। इसका दावा करते हुए मुख्तार अंसारी के अधिवक्ता दरोगा सिंह ने मंगलवार को विशेष न्यायाधीश एमपी/एमएलए कोर्ट में अर्जी दी है। अर्जी में बांदा जेल में बंद सदर विधायक से उनके अधिवक्ता, प्रस्तावकों, नोटरी अधिवक्ता एवं फोटोग्राफरों की मुलाकात की अनुमति देने की मांग की गई है। मुख्तार अंसारी 1996 में बसपा से विधायक बने थे। इसके बाद 2002 व 07 में निर्दलीय चुनाव जीते। 2012 में कौमी एकता दल से फिर विधायक निर्वाचित हुए। 2017 में मुख्तार को फिर से बसपा ने प्रत्याशी बनाया और विधायक बने। इस बार किस दल से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर कई दिनों से सियासी बाजार गर्म था। इसी बीच मंगलवार को उनके अधिवक्ता ने कोर्ट में सुभासपा के बैनर पर चुनाव लड़ने का आवेदन कर न्यायालय का सहमति मांगा है। उधर सुभासपा के जिलाध्यक्ष ने ऐसी किसी जानकारी से अनभिज्ञता जताया है। कहा कि शीर्ष नेतृत्व ने अभी तक कोई सूचना नहीं दी है। अगर कोई सूचना आएगी तो बकायदे प्रेस कांफ्रेंस कर बताया जाएगा। फिलहाल दारोगा सिंह का दावा है कि सुभासपा से ही सहमति पत्र दाखिल किया गया है। ऐसे में सुभासपा से ही वह लड़ेंगे। अधिकृत रूप से पार्टी की तरफ से कोई घोषणा नहीं की गई है।

वाराणसी में स्टेटिक सर्विलांस टीम ने कारोबारी के साढ़े चार लाख रुपये किए हजम, जांच के बाद सात कर्मचारी गिरफ्तार

वाराणसी। जंसा थाना क्षेत्र के कतवारूपुर के पास सेवापुरी विधानसभा की स्टैटिक सर्विलांस टीम स्टैटिक मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस टीम के साथ बीती सात फरवरी को संदिग्ध व्यक्ति, वाहनों

की चेकिंग की जा रही थी। उस दौरान व्यापारी वीर चौरसिया पुत्र रमेशचन्द चौरसिया निवासी आनन्दनगर, अहमदगंज, जनपद भदोही अपने मित्र उमेश यादव के साथ मोटर साइकिल से आ रहे थे जो चेकिंग होता देख बैग लेकर मोटर साइकिल से उतर कर पैदल चलने लगे। एसएसटी टीम द्वारा उनको रोककर जांच पड़ताल की गई तो बैग से 8.5 लाख रूपया प्राप्त हुआ। जांच और पूछताछ के दौरान व्यापारी द्वारा 4.5 लाख रूपये के सम्बन्ध में कोई स्पष्ट संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया तो एसएसटी टीम द्वारा 4.5 लाख रूपये इनकम टैक्स में जमा कराने हेतु कब्जे में ले लिया गया। वहीं व्यापारी को बताया गया कि इनकम टैक्स में उचित जवाब देकर अपना रूपया वापस करा लेना। व्यापारी द्वारा रिश्तेदारों को इसकी जानकारी रात को दी गई, वहीं इस बाबत कोई रसीद ना मिलने पर और थाने या इनकम टैक्स से कोई सूचना प्राप्त न होने पर उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना जंसा पर सम्पर्क किया गया। थानाध्यक्ष जंसा द्वारा प्रारंभिक जानकारी कर चुनाव से जुड़ी एस.एस.टी. टीम का मामला होने के कारण उक्त सूचना जिला मजिस्ट्रेट व पुलिस अधीक्षक वाराणसी ग्रामीण को आठ फरवरी सुबह दी गई। मामले को तत्काल संज्ञान लेते हुए आठ फरवरी सुबह एडीएम सिटी/ आचार संहिता प्रभारी व एडिशनल एसपी ग्रामीण की संयुक्त जांच बैठाई गयी। जांच से यह तथ्य प्रकाश में आया कि एसएसटी टीम द्वारा व्यापारी से जो 4.5 लाख रूपये कब्जे में लिया गया था नियमानुसार सीज की कार्यवाही करते हुए इनकम टैक्स में जमा कराया जाना था लेकिन एसएसटी टीम द्वारा अपने पास ही रख लिया गया है। आठ फरवरी की रात में रिपोर्ट प्राप्त होने पर यह पाया गया कि एसएसटी का यह कृत्य आपराधिक प्रकृति का है। उक्त घटना के क्रम में थाना जन्सा पुलिस द्वारा मुकदमा एसएसटी टीम पर गबन हेतु पंजीकृत किया गया है। वहीं इस मामले में सात अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया गया है, वहीं इस टीम को हटा कर नई एसएसटी टीम लगा दी गई है। पुलिस अधीक्षक वाराणसी ग्रामीण द्वारा स्टैटिक टीम में नियुक्त पुलिस कर्मचारीगण को तत्काल प्रभाव से निलम्बित कर दिया गया है। जबकि जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा एसएसटी टीम के सदस्यों के विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करने की संस्तुति भारत निर्वाचन आयोग को की गई है। सात लोगों पर हुई कार्रवाई : जिला निर्वाचन अधिकारी के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों में मुकेश कुमार कुशवाहा सीडीपीओ, बाल विकास विभाग, विद्यार्थी सिंह उप निरीक्षक, जटा शंकर पांडे हेड कांस्टेबल, संजय कुमार कांस्टेबल, अमित सिंह यादव कांस्टेबल, सौरभ सेठ वीडियोग्राफर, गोरख यादव ड्राइवर शामिल हैं जिनको कोर्ट में जेल भेजने के लिए पेश किया जा रहा है।

सर्किट हाउस में दो कमरों के लिए माननीयों को मात्र ३० रुपये में मिलती है होटल जैसी सुविधा

वाराणसी । अभी तक आम जनता को संसद की कैंटीन में सस्ते भोजन की ही जानकारी थी लेकिन अब जान लीजिए कि माननीयों को मात्र तीस रुपये में डबल कमरे के सुइट में होटल सरीखी सुविधा सर्किट हाउस में प्रदान की जाती है। विधायकों व सांसद जैसे जनप्रतिनिधियों और मंत्रियों को सरकार की तरफ से बहुत सी

सुविधा दी जाती है। इसमें उन्हें विभिन्न जनपदों में स्थित सर्किट हाउस और सरकारी गेस्ट हाउस में जाकर ठहरने के लिए मात्र 30 रुपये में दो कमरे का सुइट दिया जाता है। चुनाव अधिसूचना लागू हो जाने के बाद उन्हें कुछ अधिक किराया देना पड़ता है। इस कारण जनप्रतिनिधि सर्किट हाउस में ठहरने के लिए आते ही नहीं। उन्हें 30 रुपये में ही दो कमरे का सुइट चाहिए।जिला प्रशासन की अनुसार सर्किट हाउस व गेस्ट हाउस में ठहरने के लिए सामान्य दिनों में एक कमरे का किराया 25 रुपये, दो कमरे के सुइट और गवर्नर सूट का किराया 30 रुपया लगता है। अधिसूचना जारी होने के बाद एक कमरे का किराया 425 रुपये, दो कमरे के सुइट और गवर्नर सुइट का किराया बढ़कर 425 रुपया हो जाता है। इसे जनप्रतिनिधियों मंत्रियों को अपनी जेब से देना पड़ता है। इसी का परिणाम है कि आम चुनाव 2022 की घोषणा होने के बाद से एक भी जनप्रतिनिधि या मंत्री सर्किट हाउस में ठहरने के लिए नहीं आया है। सभी आते हैं तो भी होटलों या किसी अन्य ठिकाने पर रहते हैं। सर्किट हाउस में काम करने वाले कर्मचारी हाथ पर हाथ रखकर बैठे रहते हैं या साफ-सफाई व सुरक्षा में लगे रहते हैं ।नियमानुसार सर्किट हाउस में आचार संहिता लागू होने के दौरान ठहरने पर किसी भी जनप्रतिनिधि व मंत्री या जो सर्किट हाउस में रुकने के लिए अधिकृत हैं उसे कोई रोक नहीं है। केवल वहां पर वह कोई बैठक आदि नहीं कर सकता है। कर्मचारी बताते बैठक आदि करने पर रोक के कारण ही यहां ठहरने के लिए नहीं आते हैं। इस लिहाज से माननीयों के ठहरने के लिए सर्किट हाउस अधिसूचना जारी होने के बाद लाभ का सौदा नहीं रहता। इसलिए पांच साल तक वीआइपी सुविधा लेने वाले माननीयों से चुनाव के दौरान सर्किट हाउस खाली रहते हैं।

देशी शराब के ठेके व बीयर शाप से चोरों ने हजारों माल किया पार

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

हरहुआ (वाराणसी) ।बड़ागांव थाना क्षेत्र के बीरापट्टी बाजार

स्थित एक देशी शराब ठेके एवं बीयर की दुकान में बीते देर रात अज्ञात चोर ने कैश बॉक्स में रखे चौदह हजार पांच सौ पैंतालीस रुपये नगद सहित बीयर की कैन और कैमरा, एलइडी टीवी, डीवीआर एवं वाई फाई चुरा ले गये। पीडित के सुचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। बताया जाता है कि घनश्याम पटेल की देशी शराब के दुकान के चैनल गेट के हुक को तोड़ कर अंदर घुसे चोरों ने मास्टर चाबी से शटर को खोलकर कैश बॉक्स में रखे पांच हजार पैंतालीस रुपया नगद और दुकान में लगे उपरोक्त सामान चुराने के पश्चात बगल में स्थित दुधनाथ मौर्य के बीयर की दुकान में ठीक उसी प्रकार से अंदर घुसे और कैश बॉक्स में रखे गये नौ हजार पांच सौ रुपए नगद,दस केन बीयर सहित उपरोक्त सामान चुरा ले गये। घटना की जानकारी दोनों दुकानदारों के सेल्समैन को सुबह 10 बजे हुई जब वह दुकान खोलने पहुंचे शटर का ताल टुटा देखकर सन हो गए।

बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के कामर्शियल वाहनों का नहीं होगा फिटनेसः परिवहन आयुक्त

वाराणसी। अब बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के कमर्शियल वाहन का फिटनेस नहीं होगा। परिवहन आयुक्त धीरज साहू ने नाराजगी जताते हुए प्रदेश के सभी एआरटीओ को निर्देश दिया है कि

कमर्शियल वाहनों में तय तिथि के अंदर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट हर हाल में लगवा लिए जाए। इसके लिए वाहन स्वामियों को नोटिस जारी कर अवगत कराया जाए। साथ ही फिटनेस कराने परिवहन कार्यालय पहुंचने पर वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट को प्राथमिकता पर रखा जाए। आरआई वाहनों का फिटनेस करते हैं, ऐसे में एआरटीओ खुद समय समय पर फिटनेस स्थल पर पहुंचकर यह देखें कि जिन वाहनों को फिटनेस में पास कर दिया गया है उनमें हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगे हैं या नहीं। इतना ही नहीं, पूर्व में किए कमर्शियल वाहनों की भी जांच कराएं, यदि उन वाहनों में बिना हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगे फिटनेस प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया है तो संबंधित आरआई के खिलाफ कार्रवाई की रिपोर्ट बनाकर भेजें। उधर, परिवहन आयुक्त ने उप परिवहन आयुक्त वाराणसी परिक्षेत्र को भी निर्देशित किया है कि वह अपने जोन में एक एक जिले में औचक निरीक्षण कर हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट के बारे में जानकारी करें, इसको लेकर हर 15 दिन पर बैठक भी करें। उन्होंने कहा है कि प्रवर्तन अधिकारी सड़कों पर वाहन चेकिंग के दौरान भी हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट की जांच करें। सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने की तिथि कई बार बढ़ाई जा चुकी है, फिर भी वाहन स्वामी नहीं लगा सके। उनके लिए उस मोहलत दी गई है लेकिन कमर्शियल वाहनों को कोई छूट नहीं है। छोटे बड़े सभी वाहनों में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं होने पर जुर्माना करने के साथ चालान भी करें। साथ ही की गई कार्यवाही से मुख्यालय को अवगत भी कराएं, यहां से अधिकारियों की टीम भेजकर यह जांच कराई जाएगी कि जिले के अधिकारियों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट सही है या गलत। गलत रिपोर्ट भेजने पर मंडल के आरटीओ और जिले के एआरटीओ जिम्मेदार होंगे।

वाराणसी जलनिगम सोता रहा, आजिज आकर ग्रामीणों ने चंदे से बनवाई टूटी पाइप लाइन

वाराणसी। जल ही जीवन है।जल की एक-एक बूंद बचाने की नसीहत तो बहुत दी जाती हैं, पर उसका पालन नही होता। जल निगम विभाग की उदासीनता से

रोजाना हजारो लीटर पेयजल बहकर बर्बाद हो रहा है और विभाग सोया रहा। कुंभकर्णी निद्रा न टूटने से आक्रोशित ग्रामीणों ने बुधवार की सुबह जेई के खिलाफ नारेबाजी करने के बाद खुद ही चंदे की राशि जुटा टूटी पाइपलाइन को ठीक कराया। एक सप्ताह से पीने का पानी न मिलने से ग्रामीण परेशान रहे। ग्रामीणों ने इस दौरान आक्रोश व्यक्त करते हुए लापरवाह विभाग के खिलाफ नारेबाजी भी की। आक्रोशित ग्रामीणों का कहना है कि आने वाले दिनों में भी अगर विभाग से लापरवाही का क्रम जारी रहा तो उनका आक्रोश और भी बढ़ेगा। इस बाबत विभाग को संज्ञान लेना चाहिए। मिर्जामुराद के गौर गांव में ग्राम समूह पेयजल योजनांतर्गत जलनिगम का नलकूप व टैंक बना है। मिर्जामुराद कस्बा में फ्लाईओवर के नीचे हाईवे किनारे राने चट्टी के पास बायीं पटरी पर बिछाई गई भूमिगत पाइपलाइन एक सप्ताह पूर्व टूट गई। जलनिगम पर सूचना देने के बावजूद उसे ठीक नही किया गया। पेयजल हेतु ग्रामीण डिब्बा-बाल्टी लेकर इधर-उधर भटकते रहे। ग्रामीणों का आरोप रहा कि जेई को फोन मिलाने पर उनका फोन रिसीव ही नही होता। एक्सइएन को भी सूचना दी गई, पर पाइपलाइन को ठीक नही किया गया। जलनिगम विभाग की उदासीनता व जेई की कार्यप्रणाली से क्षुब्ध ग्रामीणों ने नारेबाजी करने के बाद खुद ही चंदा जुटा मरम्मत कार्य शुरू कराया। एक पखवारा पूर्व भी टूटी इस पाइपलाइन को निजी खर्च से ठीक कराया गया था। उधर, श्यामा माता आश्रम के पास भी दो महीने से पाइपलाइन में लीकेज होने से मुख्य रास्ते पर जलजमाव है। जलापूर्ति के समय पाइपलाइन से पेयजल खेत में बह कर बर्बाद हो रहा है। पाइपलाइन मरम्मत कराने में ग्रामप्रधान विजय गुप्ता, अनिल चौबे, शिवकुमार गुप्ता, सोनू, धीरज प्रजापति, मोनू, काजू सेठ, अशोक, कैलाश, मिठाई, मनीष समेत अन्य ग्रामीण शामिल रहे।

सीर गोवर्द्धन में रैदासियों ने खुद के संसाधनों से रसोई और लंगर को किया समृद्ध

वाराणसी। संत रविदास जयंती की शुरुआत पंजाब के

रैदासियों ने 1994 में शुरू की तो न खाने की व्यवस्था और न ही रहने का ठिकाना था। लेकिन, गुरु की ऐसी कृपा हुई कि अब ट्रेन और जहाज भर भर कर श्रद्धालु देश विदेश से आते हैं। इनके लिए खाने और ठहरने का पुख्ता इंतजाम किया जाता है। जयंती के आवसर पर मंदिर मप्रबंधन की तरफ से पांच से साथ लाख लोगों के खाने की समुचित व्यवस्था होती है जो एक सप्ताह लगातार अटूट लंगर के रूप में होता है। 12 फरवरी को इसबार रसोईया और लंगर की शुरूआत होगी जो 18 फरवरी तक चलेगा। पहले रसोई और लंगर के पास संसाधनों की कमी थी लेकिन अब समृद्ध और हाईटेक के साथ ही खुद की व्यवस्था हो गई है। जयंती में चलने वाले लंगर की बड़ी रसोई के चूल्हे में लगी आग जयंती बाद ही बुझती है। गुरुवार की सुबह से बड़ी रसोईयां की शुरुआत हो जाएगी। पंजाब और अन्य राज्यों से आये महिला और पुरूष सेवादार यहां बर्तन और सामान धोकर तैयारी में लग गए हैं। हैं हाईटेक हुई रसोई और संसाधन पिछले एक दशक में संत की जन्मस्थली पर चलने वाले लंगर और रसोईया को रैदासियों ने हाईटेक बना डाला । पहले यहां आंटा गूथने और सब्जी काटने वाली मशीन श्रद्धालुओं के सहयोग से आई।

राजातालाब में शिव मंदिर से घंटा चोरी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सर्वेश कुमार यश

रोहनिया (वाराणसी)। राजातालाब थाना क्षेत्र के कचनार स्थित पंचकोसी रोड के किनारे स्थित शिव जी के मंदिर से मंगलवार की बीती रात में अज्ञात चोरों ने 7 किलो तथा 3 किलो और 2 किलो सहित कुल तीन पीतल का घंटा उठा ले गए। स्थानीय लोगों ने सुबह होने पर देखा कि मंदिर 6 घंटा चोरी हो गयी है। क्षेत्रीय लोगों ने घंटा चोरी होने की सूचना राजातालाब थाने पर दिया। सूचना पाकर राजातालाब कस्बा प्रभारी हरिकेश सिंह ने चोरी के बारे में छानबीन शुरू कर दी।

परिक्षेत्र से चुनाव में भेजी गईं 147 बसें, प्राइवेट वाहनों का सहारा

आजमगढ़। विधानसभा के प्रथम चरण के चुनाव में रीजन के सात डिपो से 147 बसों से सुरक्षा कर्मियों को भेजा गया है। इससे

कई रूटों पर बसों की कमी हो गई है। यात्रा करने वालों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोग प्राइवेट वाहनों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे ट्रेवेल्स एजेंसी संचालकों की चांदी कट रही है। वह यात्रियों से मनमानी किराया वसूल कर रहे हैं। आजमगढ़ परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले डिपो आजमगढ़ से 30, डा. आंबेडकर डिपो 28, बलिया 23 बिल्थरारोड 14, दोहरीघाट 16, मऊ 22 व शाहगंज से 14 बसों से चुनाव में सुरक्षा कर्मियों को भेजा गया है। अजामगढ़ रीजन में 410 बसों का संचालन कई जनपदों के लिए होता है। प्रतिदिन लोग इससे यात्रा करते हैं। मंडलीय कार्यालय होने के कारण बलिया व मऊ जनपद से ज्यादा लोग अपने कामकाज के लिए आते हैं। वहीं कर्मचारी भी अधिकांश बलिया व मऊ से ड्यूटी करने के लिए आते-जाते हैं। ऐसे में बसों की कमी की मार झेलनी पड़ रही है। फिलहाल रीजन में 263 बसें ही बच गई हैं। इसमें भी कई तकनीकी कारणों से खराब चल रही हैं। इसका लाभ प्राइवेट वाहन चालक उठा रहे हैं। इसमें सबसे अधिक दिक्कत लंबी दूरी की यात्रा करने वालों को हो रही है। रोडवेज बस नहीं मिलने के कारण वह रिजर्व गाड़ी करके जा रहे हैं या फिर रोडवेज पर लंबे समय तक इंतजार कर रहे हैं। प्रयागराज में माघ मेला के लिए सौ बसों का संचालन रीजन में फिलहाल किया जा रहा है। इसके लिए 200 बसों का बेड़ा हैं लेकिन यात्रियों की संख्या में कमी के कारण सौ बसों का ही संचालन हो रहा है। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर बसों की संख्या बढ़ाई जाती है। इसमें लिए आजमगढ़ से 41, डा. आंबेडकर डिपो से 32, शाहगंज से 17, मऊ से 29, बलिया से 32 बिल्थरारोड से 23, दोहरीघाट डिपो से 26 बसें निर्धारित की गई हैं। विधान चुनाव व माघ मेला के कारण पूरे रीजन में बसों की कमी हुई है। इससे यात्रियों को थोड़ी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। हर रूटों पर बसों का परिचालन सुनिश्चित करने का निर्देश सभी डिपो को दिया गया है। बसों की संख्या कम होने से यात्रियों को एकाध घंटे इंतजार करना पड़ रहा है।

पोषाहार के लिए महिलाएं पहुंचीं एसडीएम दफ्तर

मेंहनगर (आजमगढ़) । मेंहनगर तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों की दर्जनों महिलाओं ने मंगलवार की दोपहर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। आरोप लगाया कि विकास खंड पल्हना के बाबू की खजूरी व

महादेवपारा गांव की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और समूह सखी पिछले छह महीने से धात्री महिलाओं, कुपोषित एवं दिव्यांग बच्चों को मिलने वाला खाद्यान्न, तेल एवं गेंहू की दलिया का वितरण नहीं कर रही हैं। प्रत्येक माह जब हम लोग लेने के लिए जाते हैं, तो देने से इंकार कर दिया जाता है। हर महीने का वही हाल रहता है। मांगने पर दो टूक उत्तर मिलता है कि ऊपर से ही नहीं आ रहा है, तो वितरण कहां से करें। कई महीने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और समूह सखियों के यहां चक्कर काटने के बाद मजबूर होकर यहां आना पड़ा है। महिलाओं ने संबंधित विभाग से खाद्यान्न के उठान व वितरण की जांच कराकर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। महिलाओं के आरोप को गंभीरता से लेते हुए उपजिलाधिकारी प्रेमचंद मौर्य ने बाल विकास परियोजना अधिकारी पल्हना को निर्देशित किया कि शिकायत की तत्काल जांच कर दोषी के विरुद्ध कार्रवाई करें। इस दौरान रीना पूनम, रीमा, रेखा, श्याम लता, रंजना, पूजा, शालू, सीमा आदि उपस्थित रहीं।

पहली बार वोट देने वालीं महिलाओं के हाथों पर सजेगी मेहंदी

आजमगढ़। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में मतदान फीसद बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से एक नई पहल की गई है। महिलाओं और पहली बार वोट देने वालीं महिलाओं अथवा जिसने पिछले चुनाव में वोट नहीं किया हो, उनके हाथों पर मेहंदी और निर्वाचन आयोग का लोगो बनाकर मतदान के लिए जागरूक किया जाएगा। अपनी क्षमता के अनुरूप अधिक से अधिक गांवों को गोद लेकर मतदाता जागरूकता के लिए मेहंदी प्रतियोगिताओं में शामिल होंगी। जिलाधिकारी अमृत त्रिपाठी की अध्यक्षता में मंगलवार को नेहरू हाल के सभागार में सीबीएसई पैटर्स के प्रधानाचार्य व प्रबंधकों के साथ बैठक हुई। डीएम ने कहाकि जिला अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और अपर जिलाधिकारी पांच गांवों व बूथों को गोद लेंगे। इन गांवों व बूथों के मतदाताओं को जागरूक कर शत-प्रतिशत मतदान करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने सभी निजी सीबीएसई स्कूल के प्रधानाचार्य व प्रबंधकों से कहा कि कम से कम पांच गांवों व बूथों को चिह्नित कर वोट मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन कराएं। नगर निकायों में भी मतदान फीसद बढ़ाने के लिए मेहंदी प्रतियोगिता कराई जाए। ब्लाक चेन टेकनेलाजी का प्रयोग करने की भी निजी विद्यालयों के प्रबंधकों से अपील की। कहा कि जिला प्रशासन इस अभियान के लिए निश्शुल्क अधिक से अधिक सहयोग प्रदान करेगा। एडीएम एफआर आजाद भगत सिंह, बीएसए अतुल कुमार सिंह सहित संबंधित अधिकारी एवं सीबीएसई स्कूलों के प्रधानाचार्य व प्रबंधक थे।

अज्ञात लोगों द्वारा डॉक्टर पर हुआ जान लेवा हमला सरकारी डॉक्टर संजय सिंह हुए घायल बाल बाल बचे

सीएमओ ने की खबर की पुष्टि उन्होंने कहा कि अभी हॉस्पिटल में चल रहा है इलाज

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र । जिलाअस्पताल के क्षय रोग उप चिकित्सा प्रभारी डाक्टर सजंय कुमार सिंह पुत्र सूर्यनारायण सिंह जिला क्षय अस्पताल से ड्यूटी कर अपने गाड़ी से सीएचसी मधुपुर आवास जा रहे थे की ड्यूटी कर आवास पर जाते समय कुछ लोग पल्सर सवार दो अज्ञात लोगो ने गाड़ी के समाने मोटरसाइकिल रोक कर किया हमला घायल स्वास्थकर्मि को जिला अस्पताल मे कराया भर्ती मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जानकारी लिया गया तो उन्होंने बताया कि कुछ लोगो ने हमला किया है घायल डाक्टर कुछ बता नही पा रहा है तहरीर कोतवाली भेजवाया गया है तिनताली की घटना बताई गई है ।उधर कोतवाली प्रभारी सत्य नारायण मिश्रा ने बताया कि तहरीर मिली है जांच की जा रही हैं अभी तक हमला करने वालों के विषय में कोई जानकारी नहीं हो पाई है

दिनदहाड़े चोरों ने नगदी एवं जेवर पर किया हाथ साफ

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र । चोपन थाना क्षेत्र अंतर्गत डाला चौकी क्षेत्र के बाड़ी स्थित अघोर सेवा सदन के पीछे लाखो की चोरी से परिवार के चेहरे का रंग उड़ा। आज दोपहर 12.30बजे की घटना। बेटी की शादी के लिए जुटा रहे थे जेवर।अघोर सेवा सदन के बाड़ी निवासी मो0 युनुस खान पुत्र स्व0 लियाकत अली दोपहर के समय पड़ोस में हो रहे मिलाद समारोह में गए थे की 1बजे अजान के समय मस्जिद जाने के लिए घर को वापस आ गए । घर आते ही देखा की ताले टूटे हुए हुए है। अंदर देखा तो दो बक्शो के ताले टूटे थे जिसमे बिटिया के शादी के लिए लगभग सवा लाख के जेवर व कुछ कपड़े गायब दें। ऐसे में परेशान होकर मौहल्ले के लोगों को बुलाया व 112 डायल किया । जिसके दौरान मौके पर सूचना पाकर पहुंची डाला पुलिस व डायल 112 स्थानियों से पूछ ताछ कर जांच में जुटी।

ओवरलोड अवैध परिवहन के रोकथाम के लिए लगाए गए तीन चेक पोस्ट

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरि

डाला सोनभद्र। जिला अधिकारी के निर्देश पर ओवरलोड व अवैध परिवहन के रोकथाम के लिए तीन स्थानों पर खनिज चेकपोस्ट आज मंगलवार को लगाया गया पूर्व में भी लगे चेकपोस्ट से मुख्य मार्ग पर जाम लग जाता था जिसकी वजह से हटाया गया था ओबरा तहसीलदार सुनील कुमार ने बताया कि ओवरलोड वे बगैर के चल रहे वाहनों को धरपकड़ के लिए वाराणसी शक्तिनगर मुख्य मार्ग बाड़ी एवं बग्धानाला व सिंदुरिया में तीन चेक पोस्ट बनाए गए हैं जिस पर एक मजिस्ट्रेट व खनिज विभाग के लोग की आठ -आठ घंटे की तीन पाली में ड्यूटी लगाई गई जिससे ओवरलोड व परमिट की कोई भी ट्रक नहीं जा पाएगा बिना परमिट व ओवर में जाने वाली गाडियां पर सख्त कार्रवाई किया जाएगा इसके खनिज विभाग द्वारा सिक्योरिटी

अलावा निगरानी के लिए एसडीएम तहसीलदार व खनिज विभाग का स्पेक्टर के अधिकारी निगरानी करेंगे तैनात किया गया है इस दौरान सदर तहसीलदार बृजेश वर्मा समेत अन्य लोग स्टाफ मौजूद रहे।

विंध्य कारिडोर मीरजापुर में लंबे इंतजार के बाद हुआ शिलान्यास, अब निर्माण शुरू होने का इंतजार

मीरजापुर। बहुप्रतीक्षित विंध्य कारिडोर का लंबे इंतजार के बाद शिलान्यास होने के बाद अब निर्माण शुरु होने का इंतजार है। सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट विंध्य कारिडोर निर्माण की तैयारियां सुस्त हो गई है। विंध्य कारिडोर निर्माण प्रगति को लेकर मंडलायुक्त से लेकर जिलाधिकारी तक कई बार विंध्य कारिडोर का निरीक्षण कर चुके हैं। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने निरीक्षण के दौरान निर्माण कार्य ठप देख राजकीय निर्माण निगम के सहायक अभियंता को फटकार भी लगाई थी। इसके बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं कराया जा सका। विंध्य कारिडोर योजना को कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद धरातल पर उतारने के लिए शासन स्तर पर काफी प्रयास किए गए। कारिडोर निर्माण के लिए भू-स्वामियों को पांच गुना मुआवजा देकर भूमि अधिग्रहण किया गया। भूमि रजिस्ट्री कराने के बाद ध्वस्तीकरण भी कर लिया गया। माना जा रहा था कि फरवरी 2021 में विंध्य कारिडोर का शिलान्यास हो जाएगा, लेकिन लंबे इंतजार के बाद एक अगस्त 2021 को गृह मंत्री अमित शाह व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विंध्य कारिडोर का शिलान्यास कर आधारशिला रखी। साथ ही कारिडोर निर्माण के लिए 128 करोड़ रुपये की मंजूरी भी दी। नवरात्र की वजह से चार माह तक काम ठप हो गया। हालांकि इस बीच टेंडर प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई। एक दिसंबर 2021 से राजकीय निर्माण निगम की ओर से कारिडोर निर्माण शुरु करने का दावा किया गया। कहा गया कि नए साल से परिक्रमा पथ आकार लेने लगेगा, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य ही शुरु नहीं कराया जा सका। प्रोजेक्ट मैनेजर राजीव सिंह ने कहा कि कारिडोर निर्माण से पहले नाली, पानी, सीवर, विद्युत व्यवस्था का कार्य पूर्ण करना है ताकि निर्माण के बाद कोई तोड़-फोड़ न किया जाए, लेकिन यह काम भी सुस्त गति से हो रहा है। वहीं जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने विंध्य कारिडोर का निर्माण कार्य जल्द से जल्द शुरु करने का निर्देश दिया था। बार-बार निर्देश के बावजूद कार्यदायी संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा विंध्य कारिडोर के निर्माण कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। इनके विरूद्ध कार्यवाही के लिए अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं निदेशक पर्यटन को पत्र भेजकर अवगत कराने की चेतावनी भी दी थी। विंध्य कारिडोर निर्माण अक्टूबर 2021 तक पूर्ण करना था, लेकिन यह संभव नहीं हो सका। इतना देर तो कोरोना काल में भी नहीं हुई, जितना निर्माण कार्य शुरु कराने में हो रही है। विंध्य कारिडोर के अंतर्गत नाली, पानी, सीवर, विद्युत व्यवस्था पर काम चल रहा है। विंध्य कारिडोर निर्माण के लिए नामित राजकीय निर्माण निगम को जल्द से जल्द कारिडोर निर्माण शुरू कराने के लिए निर्देशित किया गया।

अधेड़ उम्र के पुरुष के द्वारा महिला लेखपाल के खिलाफ किया अश्लील शब्दों का प्रयोग

महिला लेखपाल द्वारा रावट्र्सगंज कोतवाली क्षेत्र में एक नामजद दो अज्ञात के खिलाफ लिखवाया मुकदमा दर्ज कराया

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र ब्यूरो। सदर कोतवाली अंतर्गत एक महिला लेखपाल में 40 वर्षीय अधेड़ ने महिला के साथ किया दुर्व्यवहार महिला वेवस होकर दी कोतवाली में तहरीर महिला लेखपाल ने बताया अपने को कोतवाली प्रभारी सत्यनरायण मिश्रा ने बताया कि पीड़िता लेखपाल ने तहरीर दी है और मुकदमा लिखा गया हैं जिसमे कई धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया हैं।महिला ने आरोप लगाया कि पीछा करना,अश्लील शब्दो का प्रयोग करना,जान माल की धमकी व

मानवाधिकार बताता है जिसमे एक नाम जद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा लिखवाया गया हैं सरकारी काम में बाधा अश्लील टिप्पणी करने के आरोप में लिखा गया वही सरकारी काम मे बाधा बहुत परेसान होने के बाद हमने कोतवाली में दिया तहरीर। धारा 354,354,294,506,353 के तहत दर्ज किया गया

एक और कोविड संक्रमित की मौत

सोनभद्र। कोरोना संक्रमण की रफ्तार लगातार कम हो रही है। जिले में ज्यादा से ज्यादा मरीजों की जांच हो रही है लेकिन संक्रमितों की संख्या कम मिल रही है। सोमवार को 26 संक्रमित मिले जबकि मंगलवार को यह संख्या घटकर और कम हो गई। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी बुलेटिन में महज 11 संक्रमित ही मिले हैं। एक और मरीज की वाराणसी में उपचार के दौरान मौत हो गई। इस तरह कोरोना की तीसरी लहर में अब तक मृतकों की संख्या बढ़कर चार हो गई है। राबर्ट्सगंज, म्योरपुर और घोरावल ब्लाक से तीन-तीन संक्रमित व चोपन तथा बभनी ब्लाक से एक-एक संक्रमित मिले हैं। इसमें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल का भी एक कर्मचारी शामिल है। उधर सोमवार को 24 नए केस मिले थे। मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरएस ठाकुर ने बताया कि जिले में कोरोना के सक्रिय केस घटकर 226 हो गए हैं। कोरोना की पहली और दूसरी लहर में 258 मरीजों की मौत हुई थी। तीसरी लहर में अब तक करीब 1511 केस मिल चुके हैं और चार मरीजों की मौत हुई है। कोरोना की पहली और दूसरी लहर से तीसरी लहर में मौत कम हुई हैं। सीएमओ ने कहा कि कोविड के संक्रमण को लेकर गंभीरता व जागरुकता ही इसका बचाव है। लोग घर से निकलने से पहले खुद को सैनिटाइज करें, मास्क लगाएं और दो गज दूरी का पालन करें तभी कोविड जैसे वैश्विक महामारी से निजात मिल सकती है।

अग्निकांड से गृहस्थी का सामान राख

दुद्धी (सोनभद्र) । कोतवाली क्षेत्र के बीड़र गांव के बावनझरिया टोले में सोमवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में लगी आग से गृहस्थी का सामान जलकर राख हो गया। आसपास के ग्रामीणों ने फौरी तौर पर राहत व बचाव कार्य शुरू कर आग को बस्ती में फैलने से रोक दिया। इससे एक बड़ा हादसा टल गया। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे राजस्व कर्मियों ने क्षति का जायजा लेकर रिपोर्ट अधिकारियों को भेज दिया। शिवब्रत पुत्र दयाशंकर पटेल किसी बड़े शहर में कमाने गए थे। सोमवार को उनकी पतनी कमरा बंद कर सो गई। अचानक रात को युवती सिपल पटेल को घुटन महसूस होने पर नींद टूटी तो अंदर धुंआ का गुबार देख वह चिल्लाती हुई कमरे से बाहर भागी। आग पूरे खपरैल के मकान को अपने आगोश में ले चुकी थी। तत्काल आसपास के लोगों ने प्रभावित घर का बिजली कनेक्शन काटकर मोटर पंप के साथ बाल्टी लोटा में पानी लेकर बौछार करना शुरू किया। किसी तरह आग पर काबू पाया गया। मंगलवार को तड़के ग्राम प्रधान सुरेश राम की सूचना पर पहुंचे क्षेत्रीय लेखपाल अश्वनी पटेल ने घटना का संज्ञान लेते हुए आर्थिक क्षति का आंकलन कर रिपोर्ट शीर्ष अधिकारियों को प्रेषित कर दिया।

पाइप लाइन बिछाने के लिए काट दिया बीएसएनएल का केबिल

कोन (सोनभद्र)। केंद्र सरकार ने जिले में हर घर नल योजना शुरू किया है। इसके तहत पाइप लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। कोन ब्लाक के कई गांवों में इसके लिए गड्ढे खोदे जा रहे हैं। गड्ढा खोदने के दौरान कोन कस्बा में जगह-जगह बीएसएनएल का केबिल काट दिया गया है। इससे क्षेत्र में बीएसएनएल सेवा ठप हो गई है। ऐसे में उपभोक्ताओं को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। हर घर नल योजना के लिए जिस कंपनी को पाइप लाइन बिछाने का कार्य मिला है, उसका काम करने वाले पाइप बिछाने के लिए लंबाई और गहराई का कोई मानक नहीं रख रहे हैं। इसका खामियाजा ग्रामीण क्षेत्र की जनता को भुगतना पड़ रहा है। कोन क्षेत्र की सड़क पहले से दयनीय स्थिति में थी। अब जो बचा खुचा था वह पाइप लाइन बिछाने वाली कंपनी पूरा कर दे रही है। स्थिति यह है कि सड़क के किनारे जगह-जगह गड्ढे खोदे जाने से आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। बीएसएनल की फाइबर केबल पूरे बाजार में बिछाई गई थी। उसे भी कई जगह से काट दिया गया। यही नही सड़क की पटरी नजदीक होने से कहीं कहीं सड़क भी खोद दी गयी, जिससे बाजार में उसकी मिट्टी से अब धूल का भी गुबार उड़ने लगा है। बीएसएनल के अधिकारी एसके गुप्ता ने मौके पर पहुंच कर काटी गई फाइबर केबल के नुकसान का आंकलन किया। पाइप लाइन बिछाने वाली कंपनी को आगे केबल न काटने की चेतावनी दिया। ग्रामीण सरोज, विजय, संतोष सुनील, आकाश का मानना है कि यदि सड़क नहीं बनी तो बारिश के दिनों में सड़क की स्थिति सबसे बुरी होगी, क्यों कि कंपनी ने पाइप लाइन बिछाने के नाम पर सड़क को कई जगह से बीचोबीच काट दिया गया है। इससे स्थिति खराब हो गई है। आशंका जाहिर की जा रही है कि बारिश के दिनों में सड़क में बड़े बड़े गड्ढे बन जायेंगे और राहगीरों व गाड़ियों का चलना दूभर हो जाएगा।

कोटे की दुकान की जांच, चेतावनी

दुद्धी (सोनभद्र) । विकास खंड क्षेत्र के बीड़र गांव में मंगलवार को पहुंचे सहायक खंड विकास अधिकारी (सहकारिता) संतेश्वर राय ने कोटा दुकान के सेल्समैन की जमकर क्लास ली।ग्रामीणों ने बताया कि संबंधित विभाग की उपेक्षा से ग्रामीणों को भारी असुविधा हो रही है। एक मोटर पंप के सहारे पानी सप्लाई किया जा रहा है। कोट मुस्लिम बस्ती ऊंचाई पर होने के कारण पानी की समस्या उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों से अच्छा व्यवहार करने के लिए अंतिम चेतावनी देते हुए जांच आख्या आयुक्त सहकारिता को भेज दिया। बीते 24 जनवरी को ग्रामीणों ने संबंधित सेल्समैन के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए मामले की आनलाइन शिकायत आयुक्त सहकारिता से की थी। एडीओ सहकारिता ने शिकायतकर्ता विदेश कुमार, रमाकांत मौर्य आदि का बयान दर्ज करने के बाद मौके पर मिले अन्य ग्रामीणों से खाद्यान्न वितरण में आने वाली समस्याओं की जानकारी ली। ग्रामीणों ने बताया कि एक दिन अंगूठा लगाने के बाद दूसरे दिन राशन लेने के लिए बुलाया जाता है। सेल्समैन पर ग्रामीणों के साथ बदसलूकी करने का आरोप लगा। एडीओ ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यदि अब कोई गड़बड़ी सेल्समैन की मिली तो कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भगवान और भक्त को जोड़ने का माध्यम है भागवत कथा : स्वामी राम भद्राचार्य

लालगंज (मीरजापुर) । तेंदुई गांव स्थित जानकी कुंज दुर्गा मंदिर परिसर में मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह का शुभारंभ हुआ। कथावाचक पद्मविभूषित जगत गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने भागवत ग्रंथ का पूजन कर कथा की शुरुआत की। कहा कि भागवत भगवान और भक्त को जोड़ने का माध्यम है। भागवत साक्षात ईश्वर का रूप है। संस्कृति की रक्षा के लिए संस्कृत का ज्ञान आवश्यक है। अंग्रेजी का ज्ञान जरूरी है, लेकिन संस्कृत का ज्ञान भारत की रक्षा के लिए सबको प्राप्त करना चाहिए। ज्ञान और वैराग्य को जगाने के प्रयास के प्रसंग पर बताया कि वर्तमान परिवेश में लोग समस्याओं का समाधान न मिलने पर डिप्रेशन में चले जाते हैं। ईश्वर के नाम का जाप करने से सभी समस्याओं का समाधान अवश्य निकलता है। भागवत कथा हमें सभी परिस्थितियों में राह दिखाता है। अमरनाथ व जानकी कथा के यजमान थे। प्रथम दिन पूर्व ब्लाक प्रमुख नरेंद्र गिरि, परशुराम शर्मा, पिटू पांडेय, पंकज सिंह आदि ने महराजजी का माल्यार्पण किया। भागवत कथा के दौरान पद्मविभूषित जगत गुरु स्वामी राम भद्राचार्य ने कहा कि मैं भी पूर्वांचल का रहने वाला हूं। यहां हमारी जन्मभूमि है। हमारी कर्मभूमि इस समय चित्रकूट में है। खाटी पूर्वांचल की भाषा में कहा कि आज आने में देर हो गई, रिसियात मत जात जा। अगले दिन से अपरान्ह तीन से शाम छह बजे कथा कहूंगा। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ सप्ताह 15 फरवरी तक चलेगा।

निर्भीक होकर मतदाता करें शत-प्रतिशत मतदान

मीरजापुर । जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार और पुलिस अधीक्षक अजय कुमार सिंह ने मंगलवार को जनता से सीधा संवाद किया। डीएम ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 में निर्भीक होकर सकुशल और शत प्रतिशत मतदान के लिए प्रेरित किया। एसपी ने चेताया कि सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार-प्रसार करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। कहा कि सभी थाना प्रभारी असलहाधारियों से शत प्रतिशत लाइसेंसी शस्त्र जमा कराना सुनिश्चित करें कें चुनाव कराने के लिए मंगलवार को थाना अदलहाट क्षेत्र के बर्नेबुल ग्राम कोलउंड, शेरपुर व पचेगड़ा में चिन्हितों को हिदायत दी गई। विधानसभा चुनाव के दौरान आचार संहिता का उलंघन करने तथा इंटरनेट मीडिया पर भ्रामक प्रचार प्रसार करने वाले व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई करने को कहा गया।

कंतित शरीफ उर्स मेला में उमड़े जायरीन, मांगी दुआ

मीरजापुर । ख्वाजा इस्माइल चिश्ती कंतित शरीफ के सालाना उर्स मेले के पहले दिन मंगलवार को अपने-अपने मन्नतों के साथ पहुंचे जायरीनों ने चादर पोशी की। बुधवार की भोर हिदू कसेरा परिवार मजार पर पहला चादरपोशी करेगा। जायरीन तीन दिन तक ठहरकर बाबा की इबादत करेंगे। मेले में दूर-दराज से आए जायरीनों ने मजार पर चादर चढ़ाकर मन्नत पूरी करने की दुआ मांगी। कंतित शरीफ उर्स मेला में कोरोना के चलते इस बार दुकान, स्टाल व झूला नहीं लगा। कोरोना की पाबंदियों की वजह से बच्चे इस बार मेले का लुत्फ नहीं उठा सके। मेले में पूर्वांचल के साथ विभिन्न प्रांतों से जायरीन आते हैं। अकीदत के साथ दरगाह पर चादर पोशी कर दुआएं मांगते हैं। मान्यता है कि कंतित शरीफ में झोली फैलाने वालों की मुरादें अवश्य पूरी होती हैं। ख्वाजा इस्माइल चिश्ती रहमतुल्लाह अलैह की सालाना उर्स के पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक महिला, पुरुष, बच्चे सभी का हुजूम उमड़ा रहता है। आस्था का केंद्र मां विध्यवासिनी मंदिर के चंद कदम की दूरी पर स्थित कंतित शरीफ नाम से प्रसिद्ध हजरत ख्वाजा इस्माइल चिश्ती की दरगाह देश भर में विख्यात है। हिदुओं की जितनी आस्था मां विध्यवासिनी शक्तिपीठ के लिए हैं, उतनी ही मान्यता कंतित शरीफ की दरगाह को भी प्राप्त है। तीन दिवसीय हजरत ख्वाजा इस्माइल चिश्ती की दरगाह पर लगने वाला सलाना उर्स मेला सामाजिक सद्भाव की मिसाल पेश करता चला आ रहा है। 700 वर्ष पुराना उर्स मेला शुरू होने से पहले बाबा की मजार पर पहली चादर हिदू परिवार की ओर से चढ़ाया जाता है। कई दशकों से चादर चढ़ाने का काम शहर के कसरहट्टी मोहल्ले का हिदू कसेरा परिवार करता चला रहा है। सैकड़ों साल पहले जवाहर लाल का परिवार मन्नत पूरी होने पर चादर पोशी किया था। उसी के बाद से यह परिवार लगातार दरगाह पर चादर चढ़ाते चला आ रहा है। औलाद की मन्न्त पूरी होने के बाद पहली चादर पोशी की गई थी। इनके चादर चढ़ाने के बाद से ही उर्स मेला शुरु होता है। कंतित इंतजामिया कमेटी शाह इस्माइल चिश्ती रहमतुल्ला अलैह (कंतित शरीफ) के अध्यक्ष शौकत अली ने कहा कि कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रोन से बचाव के लिए शारीरिक दूरी का पालन व मास्क का उपयोग अनिवार्य है। कहा जाता है कि जो अजमेर के ख्वाजा गरीब नवाज की दरगाह तक नहीं पहुंच पाते हैं अगर वे कंतित शरीफ बाबा की दरगाह पर आकर मन्नतें मांगते हैं तो उन्हें अजमेर शरीफ वाले बाबा की दुआ मिल जाती है। कंतित शरीफ स्थित ख्वाजा इस्माइल चिश्ती रहमतुल्ला अलैह ख्वाजा गरीब नवाज अजमेर के भांजे हैं, इसीलिए जो लोग अजमेर नहीं पहुंच पाते यहां पर आकर मनन्तें मांगते हैं तो दुआएं अजमेर शरीफ वाले बाबा का मिल जाती है।

अहरौरा जलाशय में पानी पहुंचाने की कवायद शुरू

मीरजापुर । पटिहटा लिफ्ट पंप कैनाल परियोजना से अहरौरा बांध में जरगो जलाशय का पानी पहुंचाने को मंगलवार को सिचाई विभाग के अधिकारियों ने स्थलीय सर्वेक्षण किया। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही जरगो बांध का पानी अहरौरा जलाशय में पहुंचना शुरू हो जाएगा और किसानों को सिचाई के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध होगा। 25 करोड़ की लागत से पटिहटा लिफ्ट पंप कैनाल परियोजना का कार्य प्रगति पर है। लिफ्ट पंप कैनाल से अहरौरा जलाशय में पानी पहुंचाने के लिए इसकी रूपरेखा तय किया जाना है। अधीक्षण अभियंता सिचाई रमेश प्रसाद ने बताया कि जरगो जलाशय से लिफ्ट पंप कैनाल परियोजना से अहरौरा जलाशय में पानी पहुंचाने के कार्य का स्थलीय सर्वेक्षण किया गया है। नलकूप खंड द्वारा प्रस्ताव दिया गया है कि भक्सी नदी बरही पुल के पास पंप हाउस स्थापित कर पहाड़ के किनारे डिलीवरी टैंक बनाकर पानी छोड़ा जाएगा। पानी चैनल के माध्यम से लतीफपुर के पास नाले में गिराया जाएगा, जो अहरौरा बांध में मिलेगी। नलकूप खंड के अधीक्षण अभियंता, अधिशासी अभियंता सिचाई खंड चुनार हरिशंकर प्रसाद, अधिशासी अभियंता नलकूप विजय कृष्ण, एसडीओ केके सिंह, जेई नरसिंह मौर्या आदि थे। सिचाई विभाग के नाला पर अतिक्रमण पटिहटा पंप कैनाल परियोजना के माध्यम से अहरौरा जलाशय में पानी पहुंचाने के लिए सिचाई विभाग के अधिकारियों को काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। सर्वेक्षण के दौरान बिलोकुंड, ममनीया सहित अन्य स्थानों पर बने नालों पर अतिक्रमण कर लिया गया है। सिचाई विभाग के लिए अतिक्रमण चुनौती बन गया है।

जस्टिन लैंगर के इस्तीफे पर पैट कमिंस ने तोड़ी चुप्पी, आलोचना पर पूर्व क्रिकेटरों से कही ये बात

सिडनी। पूर्व क्रिकेटर जस्टिन लैंगर के आस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम का कोच पद छोड़ने पर रिकी पोंटिंग और एडम गिलक्रिस्ट समेत अन्य पूर्व क्रिकेटरों से आलोचना का सामना कर रहे टेस्ट टीम के कप्तान पैट कमिंस ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने पूर्व क्रिकेटरों को आड़े हाथ लिया

है। साथ ही कहा है कि लैंगर को खिलाडियों और सहयोगी स्टाफ की प्रतिक्रिया से आश्चर्यचकित नहीं होना चाहिए क्योंकि मूल्यांकन दो साल का हुआ। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने शनिवार को मेंस टीम के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। आधिकारिक बयान में कहा गया कि जस्टिन को उनके वर्तमान अनुबंध के बाद कुछ समय के लिए विस्तार की पेशकश की गई थी, जिसे दुख की बात है कि उन्होंने स्वीकार नहीं करने का विकल्प चुना है। कमिंस ने पूर्व क्रिकेटरों की आलोचना पर कहा, 'कई पूर्व खिलाड़ी मेरे पास पहुंचे और चुपचाप मुझे अपनी सलाह दी जिसका स्वागत है। कुछ अन्य लोगों ने मीडिया में बात की है उसका भी स्वागत है, जो खेल के प्यार और उनके साथी के समर्थन में आया है। सभी पूर्व खिलाडियों से मैं यह कहना चाहता हूं- जैसे आप हमेशा अपने साथियों के लिए खड़े रहते हैं, वैसे ही मैं अपने साथियों लिए खड़ा हूं। कमिंस ने आगे कह 'जस्टिन ने स्वीकार किया है कि उनकी शैली अक्रामक थी। उन्होंने इसके के लिए खिलाडियों और कर्मचारियों से माफी मांगी है और मुझे लगता है कि माफी अनावश्यक थी। खिलाड़ी उनकी आक्रमकता से परेशान नहीं थे। उनकी आक्रमकता खिलाडियों और सहयोगी स्टाफ के लिए मुद्दा नहीं था। आस्ट्रेलिया के बेहतर खिलाड़ी बनने के लिए इस ठोस बुनियाद से हमें नई शैली की कोचिंग और कौशल की जरूरत है।' कमिंस ने बुधवार को पत्रकारों से कहा, 'मुझे लगता है कि वह काफी बदल गए। इसके लिए वह काफी श्रेय के पात्र हैं। मुझे लगता है कि हमारे सामने यह सवाल पैदा हो गया कि क्या यह टिकाऊ है हमने सोचा कि बदलाव करने का यह सही समय है। मुझे लगता है कि इनमें से कुछ कौशल शायद उनकी पारंपरिक कोचिंग शैली से थोड़े अलग हैं। मुझे लगता है कि उन्होंने पिछले छह महीनों में अपनी कोचिंग शैली को बदल दिया और वास्तव में अच्छा काम किया, लेकिन हमें लगता है कि अब एक अलग दिशा में आगे बढ़ने का सही समय है। यह अपनी-अपनी राय की बात है, लेकिन हमें लगता है कि यह सही है। मुझे नहीं लगता कि उन्हें आश्चर्य होना चाहिए। मूल्यांकन के दो साल को लेकर हुआ है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई बड़ा आश्चर्य है।' लैंगर के इस्तीफे के बाद, आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जानसन ने कमिंस को 'डरपोक' करार दिया और कहा कि इसके पीछे टेस्ट कप्तान के पास अपना खुद का कोच लाने का एजेंडा है। इसे लेकर कमिंस ने कहा 'मिशेल जानसन अपने साथी के लिए खड़े हैं। मैं उसकी कही गई बातों से बिल्कुल असहमत हूं, लेकिन यह ठीक है। यह उनकी राय है। वह अपने साथी के लिए खड़े हैं। वास्तव में मेरी इससे पहले व्यक्तिगत आलोचना बहुत अधिक नहीं हुई थी। इसलिए कप्तान के तौर पर इससे जल्द बाहर निकलना अच्छा होगा।' कमिंस ने आगे कहा, 'मुझे पता था कि कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने पर काफी कुछ कहा जाएगा। पिछला हफ्ता अच्छा रहा मैं इसका मुकाबला कर लूंगा लेकिन मैं इससे बिल्कुल सहज हूं। हम सब आस्ट्रेलियाई क्रिकेट की बेहतरी चाहते हैं। काफी भावनाएं उमड़ रही हैं। इन लोगों का मैं वास्तव में सम्मान करता हूं, इसलिए मैं निश्चित रूप से उनकी बात सुनता हूं। मैं उनमें से किसी से भी सीधे प्रतिक्रिया और उनके विचारों के बारे में बात करने का स्वागत करता हूं।'

महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत निराशाजनक, टी20 में 18 रन से मिली हार

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम के न्यूजीलैंड दौरे की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। बुधवार को खेले गए एक मात्र टी20 मुकाबले में मेजबान ने 18 रन से जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते

हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 5 विकेट पर 155 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में भारतीय टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 137 रन ही बना पाइ भारतीय महिला टीम 5 मैचों की वनडे सीरीज और फिर आइसीसी विश्व कप खेलने न्यूजीलैंड पहुंची है। क्वींसटाउन में भारत ने इस दौरे की शुरुआत एक मात्र टी20 के साथ की जहां उसे हार का सामना करना पड़ा। भारत ने इस मैच में टास जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया था। मेजबान टीम के लिए सूजी बेट्स और सोफी सोफी डिवाइन ने शानदार शुरुआत की। इन दोनों ही बल्लेबाजों ने महज 7 ओवर में 50 रन बना डाले। पहले विकेट के लिए 7.5 ओवरों में 60 रन जोड़ चुकी इस जोड़ी को दीप्ति शर्मा ने तोड़ा। इसके बाद मैडी ग्रीन (20 गेंदों में 26 रन), ली टाहुहू (14 गेंदों में 27 रन) ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली और न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट के नुकसान पर 155 रन का स्कोर खड़ा किया। भारत की तरफ से पूजा वस्त्राकर ने 4 ओवर में 16 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। दीप्ति शर्मा ने 4 ओवर में 26 रन देकर 2 विकेट झटके 156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। पावरप्ले में यास्तिका भाटिया (26) और शेफाली वर्मा (13) ने 40 रन तोड़े। यहां टीम को पहला झटका लगा और इसके बाद मिडिल आर्डर पूरी तरह से बिखर गया। 107 रन पर भारत की आधी टीम वापस लौट चुकी थी। कोई भी बल्लेबाज टिककर बड़ा स्कोर नहीं बना पाया और टीम 20 ओवर में भारत 8 विकेट पर 137 रन के स्कोर तक ही पहुंच पाया।

इंग्लैण्ड ने की वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज के लिए टीम की घोषणा, एंडरसन और ब्राड को किया बाहर

नई दिल्ली। एशेज सीरीज में आस्ट्रेलिया से मिली करारी हार के बाद इंग्लैंड की टीम में बड़ा बदलाव किया गया है। टीम के दो अनुभवी गेंदबाजों को टीम से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया है। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जाने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए चुनी गई टीम में इन दोनों ही खिलाडियों को जगह नहीं दी गई है। मंगलवार को इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने दौरे के लिए चुनी गई टीम की घोषणा की। वेस्टइंडीज के साथ खेली जाने वाली टेस्ट सीरीज के लिए दौरे पर जाने वाली 16 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी गई है।

इस टीम में एंडरसन और ब्राड की जोड़ी को जगह नहीं दी गई है। विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर भी टीम में जगह नहीं बना पाए हैं। हालांकि एशेज की करारी हार के बाद भी जो रूट को कप्तान बनाए रखा गया है। डरहम के लिए पारी की शुरुआत करने वाले बल्लेबाज एलेक्स लीज और यार्कशायर के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को पहली बार टेस्ट टीम में जगह दी गई है एशेज की हार के बाद टीम से जेम्स एंडरसन, डाम बेस, सैम बिलिंग्स, स्टुअर्ट ब्राड, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, हसीब हमीद और डेविड मालन को टेस्ट टीम से बाहर का रास्ता दिखाया गया है। ये सभी खिलाड़ी आस्ट्रेलिया में पिछले महीने हुए एशेज सीरीज में टीम का हिस्सा थे। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अंतरिम निदेशक एंड्यू स्ट्रास ने बताया, 'जेम्स एंडरसन और स्टुअर्ट ब्राड के बारे में कहना चाहता हूं कि उनके लिए यह अंत नहीं है। ऐसा लगता है कि अब हमे कुछ नए गेंदबाजी क्षमता की तरफ देखना है और ऐसे खिलाड़ी दूसरे खिलाडियों को जो पहले टीम का हिस्सा रह चुके हैं उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारी दिया जाना अहम होगा। जो रूट (कप्तान), जोनाथन बेयरस्टो, जैक क्राली, मैथ्यू फिशर, बेन फाक्स, डैन लारेंस, जैक लीच, एलेक्स लीस, साकिब महमूद, क्रेग ओवरटन, मैथ्यू पार्किंसन, ओली पोप, ओली राबिन्सन, बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स, मार्क वुड।

विंडीज के लिए करो या मरो मुकाबला, कब और कैसे देखे भारत का दूसरा

नई दिल्ली। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का दूसरा मुकाबला

बुधवार 9 फरवरी को खेला जाना है। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला रविवार को खेला गया था जहां भारत ने जीत हासिल कर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल की थी। यह मैच मेहमान टीम के लिए करो या मरो का होने वाला है क्योंकि यहां हार मिली तो सीरीज उनके हाथ से निकल जाएगी। दूसरे मैच में भारतीय टीम में बदलाव देखने को मिल सकता है। कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की वजह से पहला मैच नहीं खेलने वाले ओपनर शिखर धवन वापसी कर चुके हैं। ऐसे में रोहित शर्मा के साथ वही पारी की शुरुआत करते नजर आएंगे। अहमदाबाद में खेले जाने वाले इस मुकाबले के बारे में जान लेते हैं कुछ अहम बातें। भारत और वेस्टइंडीज के बीच सीरीज का दूसरा मुकाबला 9 जनवरी बुधवारको खेला जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दूसरा वनडे भारतीय समय के मुताबिक दोपहर 1.30 बजे शुरू होगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच मुकाबले में टास मैच से आधे घंटे 1 बजे किया जाएगा। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले दूसरे वनडे का सीधा प्रसारण स्टार नेटवर्क के स्पोर्ट्स चैनल पर देखा जा सकेगा। स्टार स्पोर्ट्स, स्टार स्पोर्ट्स एचडी, स्टार स्पोर्ट्स 1 और स्टार स्पोर्ट्स 1 एचडी पर देखा जा सकेगा। मैच की लाइव स्ट्रीमिंग हाट स्टार पर देख सकते हैं। इसके अलावा मैच से जुड़ी पल पल की खबर के लिए दैनिक जागरण वेबसाइट पर जा सकते हैं।

पृथ्वी शा की कप्तानी में खेलेंगे अजिंक्य रहाणे, मुंबई रणजी टीम में अर्जुन तेंदुलकर को भी मिली जगह

नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे अपनी बल्लेबाजी की धार को चमकाने के लिए मुंबई के लिए इस रणजी सीजन में खेलते हुए नजर आएंगे। अजिंक्य रहाणे का फार्म पिछले कुछ वक्त से काफी खराब रहा है और उनके खराब फार्म को लेकर काफी कुछ कहा जा रहा था। वहीं बीसीसीआइ अध्यक्ष सौरव गांगुली ने भी कहा था कि रहाणे और पुजारा को रणजी में खेलकर कुछ रन बनाने की जरूरत है। अब रहाणे मुंबई के लिए खेलेंगे जबकि टीम की कप्तानी पृथ्वी शा के हाथों में होगी। वहीं इस रणजी सीजन के लिए मुंबई के टीम की घोषणा कर दी गई है जिसमें अर्जुन तेंदुलकर को भी शामिल किया गया है। आपको बता दें कि इस बार रणजी ट्राफी का आयोजन दो चरणों में किया जाएगा। पहले चरण में मुकाबले 10 फरवरी से 15 मार्च के बीच में खेले जाएंगे जबकि दूसरे चरण का आयोजन आइपीएल 2022 के बाद 30 मई से 26 जून के बीच किया जाएगा। वहीं एमसीए के एक अधिकारी ने कहा कि अजिंक्य रहाणे को पृथ्वी शा की कप्तानी में खेलने में कोई हर्ज नहीं है। वहीं इस रणजी सीजन में पृथ्वी शा मुंबई टीम की कप्तानी करेंगे। उन्होंने पिछले सीजन में विजय हजारे ट्राफी टूर्नामेंट में भी इस टीम की कप्तानी की थी और टीम ने खिताब भी जीता था। सीजन के लिए 21 सदस्यीय मुंबई टीम की घोषणा मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) के द्वारा कर दी गई है। मुंबई क्रिकेट टीम के सीनियर सेलेक्शन कमेटी ने सलिल अंकोला की अगुआई में इस टीम का चयन किया।

अंडर-19 विश्व कप ट्राफी जीतकर भारत लौटी चैंपियन टीम

नई दिल्ली। कैरेबियन सरजमीं पर खेले गए अंडर19 विश्व कप में धमाकेदार प्रदर्शन से अजेय रहते हुए भारतीय टीम ने खिताब जीता। भारत की अंडर-19 टीम पांचवीं बार विश्व कप जीतकर मंगलवार को

स्वदेश लौट आई। पूरे टूर्नामेंट में भारत ने एक भी मैच नहीं गंवाया और फाइनल में इंग्लैंड की अजेय रहने वाली टीम को मात देकर विश्व कप ट्राफी को अपने नाम किया। यश ढुल की कप्तानी में भारत ने इंग्लैंड को हराकर खिताब जीता। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज से एम्सटर्डम और दुबई के रास्ते बेंगलुरु की उड़ान ली थी। खिलाड़ी मंगलवार शाम को अहमदाबाद पहुंचे जहां बीसीसीआइ ने बुधवार को उनका सम्मान समारोह रखा है। एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भी टीम के साथ वेस्टइंडीज में थे। वह चयनकर्ताओं और पांच रिजर्व खिलाडियों के साथ अलग लौटे हैं। अंडर 19 विश्व कप में भारतीय टीम की तूती बोलती है। इंग्लैंड को फाइनल में शनिवार 5 फरवरी 2022 को हराने के साथ ही पांच बार इसे जीतने वाली वह पहली टीम बनीं। भारत ने अब तक इसे साल 2000 2008, 2012, 2018 और 2022 में इसे जीता। आस्ट्रेलिया ने अब तक तीन (1988, 2002, 2010) बार इसे जीता है और वह दूसरे नंबर पर है। साल 2000 में भारत ने पहली बार जब अंडर 19 विश्व कप विजेता बना तब टीम की कमान कैफ के हाथों में थी। इसके बाद भारत को साल 2008 में विराट वाली टीम ने यह कामयाबी दिलाई। साल 2012 में उनमुक्त चंद की कप्तानी में टीम को यह सफलता मिली और भारत तीसरी बार अंडर 19 विश्व चैंपियन बना। साल 2016 में पृथ्वी शा की कप्तानी में टीम इंडिया चैंपियन बनी। अब यश ढुल पांचवें भारत के कप्तान बन गए हैं जिन्होंने अंडर19 विश्व कप ट्राफी को उठाया।

सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया, धवन कर सकते हैं पारी का आगाज

अहमदाबाद। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को दूसरे वनडे मैच में सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी तो नजरें टीम में वापसी कर रहे उप कप्तान केएल राहुल के बल्लेबाजी क्रम पर भी लगी होंगी। कोरोना संक्रमित हुए ओपनर शिखर धवन भी फिट है और मैच से पहले ट्रेनिंग में हिस्सा भी लिया था। भारत ने स्पिनरों युजवेंद्र सिंह

चहल और वाशिंगटन सुंदर की उम्दा गेंदबाजी के दम पर वेस्टइंडीज को पहले वनडे में 176 रन पर आउट कर दिया था। उसके बाद कप्तान रोहित शर्मा के 60 रन की मदद से भारत ने छह विकेट से जीत दर्ज की। रोहित की कप्तानी में नई ऊर्जा के साथ खेल रही भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे की नाकामी को भुलाकर आत्मविश्वास से ओतप्रोत नजर आई। सबसे अच्छी बात रोहित की फार्म थी, जो हैमस्ट्रिंग चोट के कारण दक्षिण अफ्रीका नहीं जा सके थे। वह एक बार फिर उस लय को कायम रखना चाहेंगे। रोहित के साथ पारी का आगाज करने वाले इशान किशन ने 36 गेंद में 28 रन बनाए थे, जो बड़ी पारी खेलने की कोशिश करेंगे। धवन और राहुल की वापसी से देखना यह होगा कि रोहित के साथ पारी की शुरुआत कौन करता है। राहुल निजी कारणों से पहला मैच नहीं खेले थे जबकि धवन कोरोना संक्रमित होने की वजह से आइसोलेशन में थे। वह पारी की शुरुआत करते हैं तो इशान को बाहर होना पड़ेगा। वह मध्यक्रम में खेलते हैं तो पहले मैच में 32 गेंद में नाबाद 26 रन बनाने वाले दीपक हुड्डा बाहर हो सकते हैं। टीम प्रबंधन विराट कोहली, रिषभ पंत और सूर्यकुमार यादव के क्रम में बदलाव करना नहीं चाहेगा। कोहली के लिए भी यह मैच अहम है जो दो साल से अपने 71वें शतक का इंतजार कर रहे हैं। गेंदबाजी में चहल और वाशिंगटन ने शानदार प्रदर्शन किया। टीम प्रबंधन गेंदबाजी में कोई बदलाव नहीं करना चाहेगा। दूसरी ओर वेस्टइंडीज की नजरें पहले मैच की हार को भुलाकर बेहतर प्रदर्शन पर लगी होंगी। पिछले 16 मैचों में रविवार को 10वीं बार वेस्टइंडीज टीम पूरे 50 ओवर नहीं खेल सकी। कीरोन पोलार्ड की टीम को इसमें सुधार करना होगा और बल्लेबाजों को जिम्मेदारी से खेलना होगा। अनुभवी आलराउंडर जेसन होल्डर ने कहा था, 'बल्लेबाजों को अपने विकेट की अहमियत समझकर खेलना होगा।' वेस्टइंडीज को अपने आक्रामक बल्लेबाजों निकोलस पूरन और पोलार्ड से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), केएल राहुल, मयंक अग्रवाल, रुतुराज गायकवाड़, शिखर धवन, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, इशान किशन, दीपक हुड्डा, रिषभ पंत, दीपक चाहर, शार्दुल ठाकुर, युजवेंद्रा सिंह चहल, कुलदीप यादव, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिशनेई, मुहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और आवेश खान। वेस्टइंडीज : कीरोन पोलार्ड (कप्तान), फैबियन एलेन, एनक्रुमाह बोनर, डेरेन ब्रावो, शामार ब्रूक्स, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसफ, ब्रेंडन किंग, निकोलस पूरन, केमार रोच, रोमारियो शेपर्ड, ओडियन स्मिथ, हेडन वाल्श जूनियर।

आस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम का चयन, यह पूर्व कंगारू गेंदबाज होगा फास्ट बालिंग कोच

कराची। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के चयनकर्ताओं ने बुधवार को आस्ट्रेलिया के खिलाफ रावलपिंडी, कराची और लाहौर में खेले जाने वाले तीन टेस्ट मैचों के लिए 16 खिलाडियों और पांच रिजर्व खिलाडियों की घोषणा की। बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से टीम में तीन बदलाव किए गए है। 2021 में दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे टेस्ट के लिए टीम में रहे हारिस रऊफ ने आफ स्पिनर बिलाल आसिफ की जगह वापसी की है, जबकि शान मसूद ने आबिद अली की जगह ली है। वह आखिरी बार 2020-21 सीजन में न्यूजीलैंड में खेले थे। आबिद एक्यूट कोरोनरी सिंड्रोम से पीडित होने के बाद रीहैब में हैं। यासिर शाह को रिजर्व पूल में रखा गया है। आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज शान टैट को फास्ट बालिंग कोच

बनाया गया है। पाकिस्तान सुपर लीग 2022 में नहीं खेल रहे टेस्ट खिलाड़ी बुधवार 16 फरवरी को कराची में नेशनल स्टेडियम में आयोजित होने वाले प्रशिक्षण शिविर के लिए एकत्रित होंगे। मुख्य चयनकर्ता मुहम्मद वसीम ने कहा, 'हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ महत्वपूर्ण घरेलू सीरीज के लिए निरंतरता का विकल्प चुना है और परिवर्तन केवल वहीं किए गए हैं जहां बिल्कुल आवश्यक है। खिलाडियों को आत्मविश्वास देना है, उन्हें खेल के लंबे पारूप में उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत करना है और भविष्य के लिए टीम का निर्माण जारी रखना है। ये घरेलू सर्किट में उपलब्ध, सबसे प्रतिभाशाली और इन-फार्म खिलाड़ी हैं। बने रहेंगे, जबकि शान टैट को 12 महीने के लिए तेज गेंदबाजी कोच और मोहम्मद यूसुफ को आस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के लिए बल्लेबाजी कोच नियुक्त करने की भी घोषणा की। बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद रिजवान, अब्दुल्ला शफीक, अजहर अलू, फहीम अशरफ, फवाद आलम, हारिस रऊफ, हसन अली, इमाम-उल-हक, मोहम्मद नवाज, नौमान अली, साजिद खान, शाहीन शाह अफरीदी, शान मसूद, जाहिद महमूद। यासिर शाह, सरफराज अहमद, नसीम शाह, मोहम्मद अब्बास, कामरान गुलाम

राशिफल

मेष-: आज कोई लेन-देन सोच-समझकर करें। एक तरफा प्यार आपको निराश कर सकता है। नई योजनाएं आकर्षक होंगी और अच्छी आमदनी का जरिया साबित होंगी।

वृष-: आज भाग्य आपका साथ देगा। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। कार्यक्षेत्र में आज आपको दो गुना लाभ मिलने की संभावना है। निवेश करने से पहले अच्छी तरह सोच-विचार कर लें तो बेहतर होगा।

मिथुन-: जीवनसाथी के मामले में बेवजह की टांगें लगाने से बचें. बेहतर होगा कि आप अपना खुद का व्यवसाय रखें। हस्तक्षेप कम से कम करें, अन्यथा यह निर्भरता का कारण बन सकता है।

कर्क-: आज के दिन किसी काम की तैयारी और शुरुआत करने से पहले तर्क की परीक्षा को गंभीरता से लेना सही रहेगा. संतान पक्ष से सहयोग की कमी रहेगी।

सिंह-: आज आपके परिवार में खुशियों की वृद्धि होगी. संतान की शिक्षा में उन्नति संभव है। माता-पिता का स्वास्थ्य आज बहुत अच्छा रहेगा। उनसे भी आपको पूरा सहयोग मिलने की उम्मीद है

कन्या-: आज का दिन विशेष है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण कार्य करने की क्षमता देगा. आज आप ऊर्जा से भरे रहेंगे और यह संभव है कि अचानक आपको अनदेखा लाभ प्राप्त होगा।

तुला-: आज आपको शैक्षणिक कार्यों में सफलता मिलेगी. आज का दिन मौज-मस्ती और आनंद से भरा रहेगा क्योंकि आप जीवन को पूरी तरह से जीएंगे।

वृश्चिक-: छात्रों को सफलता के लिए थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ेगी. आपकी मेहनत भी रंग लाएगी। घर में सुख-सुविधाओं से जुड़ा कुछ नया सामान खरीदने की भी संभावना है।

धनु-: घृणा को दूर करने के लिए संवेदनशीलता का स्वभाव अपनाएं, क्योंकि घृणा की आग बहुत शक्तिशाली होती है और शरीर के साथ-साथ मन को भी प्रभावित करती है

मकर-: आज आप अपने कार्य संबंधी यात्रा की तैयारी करेंगे. यह यात्रा आपको सफलता दिलाएगी। आज आप नई योजनाएँ बनाएंगे। धन प्राप्ति संभव है।

कुंभ-: आज का दिन अच्छा रहेगा. आज किसी नए प्रोजेक्ट में अपनी ऊर्जा लगाएं, आपको दोगुना लाभ होगा। यदि आप सरकारी अधिकारी हैं तो आपके तबादले का योग बन रहा है।

मीन-: आज आप जीवन का आनंद लेने के लिए खुद को सहज और सही मूड में पाएंगे। दिन के दूसरे भाग में आर्थिक लाभ होगा। अपनी गोपनीय जानकारी अपने जीवनसाथी के साथ साझा करने से पहले अच्छी तरह सोच लें।

सम्पादकीय

हुंडई पाकिस्तान के ट्वीट पर दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री ने जताया खेद, भारत ने दर्ज कराई थी सख्त नाराजगी

हुंडई के पाकिस्तान स्थित वितरक की तरफ से 5 फरवरी, 2022 को सोशल मीडिया पर कश्मीर पर आपत्तिजनक पोस्ट से जुड़े विवाद को भारत ने ना सिर्फ बेहद गंभीरता से लिया है बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचा दिया गया है। पहले विदेश मंत्रालय ने इस मुद्दे पर नई दिल्ली में दक्षिण कोरिया के राजदूत को सम्मन कर अपना विरोध जताया। उसके बाद मंगलवार को दोपहर में दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री चुंग ईयू-योंग ने विदेश मंत्री एस जयशंकर से बात की और पूरे प्रकरण पर अपने देश का दृष्टिकोण रखा। इस बीच हुंडई ने बताया कि उसने पाकिस्तान स्थिति हुंडई के वितरक के आपत्तिजनक पोस्ट पर उसे अवगत कराया कि उसने हुंडई के ब्रांड का गलत इस्तेमाल किया है। हुंडई ने यह भी बताया है कि पाकिस्तान स्थित वितरक ने कश्मीर पर उस पोस्ट को हटा दिया है। विदेश मंत्रालय ने एक विस्तृत बयान जारी कर भारत की स्थिति साफ की है। इसमें कहा गया है कि सियोल स्थित हमारे राजदूत ने हुंडई के मुख्यालय से संपर्क किया और उनसे स्पष्टीकरण की मांग की। इसके तुरंत बाद ही आपत्तिजनक पोस्ट को हटा दिया गया है। नई दिल्ली में कोरिया के राजदूत को भी बता दिया गया है कि भारत की भौगोलिक संप्रभुता के मुद्दे पर कोई समझौता नहीं हो सकता। इन मुद्दों को कंपनी की तरफ से उचित निवारण होना चाहिए। विदेश मंत्री जयशंकर के साथ टेलीफोन वार्ता में दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्री ने इस मुद्दे पर अपना खेद प्रकट किया है। हुंडई मोटर इंडिया ने पूरे प्रकरण पर गहरा खेद प्रकट करते हुए स्पष्टीकरण सामने रखा है और कहा है कि वह किसी भी देश के राजनीतिक व धार्मिक मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करती। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि, भारत विदेशी कंपनियों की तरफ से होने वाले निवेश का स्वागत करती है। लेकिन वह यह भी उम्मीद करता है कि ये कंपनियां या इनकी सहयोगी कंपनियां संप्रभुता या भौगोलिक अखंडता का आदर करे। इसी बीच मंगलवार सुबह राज्य सभा में वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एक बयान दे कर मामले पर बात के ऐतराज को सामने रखा। उन्होंने हुंडई के पाकिस्तानी सहयोगी कंपनी की तरफ से जारी पोस्ट को बेहद आपत्तिजनक बताते हुए कहा कि दोनो देशों की सरकारों के बीच बात हो रही है। इस बीच हुंडई की तरफ से एक विस्तृत बयान जारी किया गया। हुंडई ने कहा है कि, हम कारोबारी नीति के तहत हुंडई मोटर कंपनी किसी भी क्षेत्र में राजनीतिक या धार्मिक मुद्दे पर कोई टिप्पणी नहीं करती। इसलिए हुंडई मोटर कंपनी के पाकिस्तान स्थित वितरक की तरफ से कश्मीर पर सोशल मीडिया पोस्ट पूरी तरह से कंपनी की नीति के खिलाफ है। जैसे ही इस पोस्ट के बारे में हमें जानकारी मिली हमने पाकिस्तानी वितरक को उसके गलत कदम के बारे में बताया। हमने यह सुनिश्चित किया है कि पाकिस्तानी वितरक उस पोस्ट को सोशल मीडिया से हटा ले और भविष्य में इस तरह का कोई कदम नहीं उठाये। हमारी भारत स्थित सब्सिडियरी पाकिस्तान के वितरक के साथ कोई लेना-देना नहीं है। और हम उसकी अनाधिकृत गैर कारोबारी सोशल मीडिया गतिविधियों को पूरी तरह से खारिज करते हैं। हुंडई ने यह भी कहा है कि वह भारतीय कार बाजार में कई दशक से निवेश कर रही है और भारतीय ग्राहकों की सेवा को लेकर प्रतिबद्ध है। हम तहे दिल से भारतीय जनता से इस अनाधिकृत मीडिया गतिविधि को लेकर क्षमा मांगते हैं।हुंडई पाकिस्तान के कश्मीर को लेकर ट्वीट पर दक्षिण कोरियाई विदेश मंत्री ने खेद व्यक्त किया है। जयशंकर से फोन वार्ता पर उन्होंने देश के लोगों और भारतीय सरकार के समक्ष अपराध का बोध करते हुए खेद व्यक्त किया है। सनद रहे कि यह पूरा मामले पाकिस्तान सरकार की तरफ से 5 फरवरी को कश्मीर दिवस के आयोजन से जुड़ा हुआ है। पाकिस्तान की कंपनियों ने अपने अपने सोशल मीडिया चैनल पर कश्मीर के हालात को लेकर गलत तरीके से पेश करने और कश्मीर को तथाकथित तौर पर भारत से आजाद कराने वाले पोस्ट डाले हैं। इसमें वो कंपनियां भी शामिल हैं जो पाकिस्तान के साथ ही भारत में भी कारोबार करती हैं। केएफसी और पिज्जा हट जैसे ब्रांड के भारतीय शाखाओं ने पहले ही माफी मांग ली है।

सरकारी योजनाओं के लाभार्थी एक बड़ा वोट बैंक बनने के साथ ही जाति-संप्रदाय की राजनीति को भी कुंद कर रहे हैं

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में स्वाभाविक रूप से सबसे अधिक दिलचस्पी उत्तर प्रदेश में है, लेकिन इन सभी राज्यों में चुनावी मैदान में उतरे छोटे-बड़े दल अपने-अपने वोट बैंक को साधने में लगे हुए हैं। वोट बैंक की राजनीति पहले भी होती थी, लेकिन जैसे-जैसे दलों की संख्या बढ़ती गई और जाति विशेष की राजनीति करने वाले दल बनने लगे, वैसे-वैसे यह राजनीति और गहन होती गई। हाल के समय में जाति-संप्रदाय और क्षेत्र विशेष के सहारे राजनीति करने वाले दलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। स्थिति यह है कि राज्य विशेष में चार-पांच प्रतिशत की हिस्सेदारी रखने वाली जाति समूह के नेता भी अपना-अपना दल बना रहे हैं। इसकी एक वजह राजनीति में प्रतिनिधित्व हासिल करना और सत्ता में भागीदारी करना भी है। यह बात और है कि ऐसे अधिकांश दल परिवारवादी दलों में परिवर्तित हो जाते हैं। ऐसे दल बात तो 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उसकी उतनी भागीदारी' की करते हैं, लेकिन जब कभी सत्ता में आते है या फिर सत्ता में साझेदार बनते हैं तो अपने परिवार या जाति विशेष के हितों तक ही सीमित हो जाते हैं। परिवारवादी दलों में कुछ तो ऐसे हैं, जिनके परिवार के सभी सदस्य राजनीति में हैं। पीढ़ियां बदल जाती हैं, लेकिन पार्टी का नेतृत्व परिवार के सदस्य के पास ही रहता है, भले ही वह कितना भी अयोग्य हो। परिवारवाद की राजनीति एक तरह की सामंतशाही ही नहीं, बल्कि लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। इस भावना की खूब अनदेखी भी हो रही है, लेकिन इस तथ्य की भी उपेक्षा नहीं की जा सकती कि जाति भारतीय समाज की एक सच्चाई है। यह एक धारणा बन गई है कि जाति केवल हिंदू समाज में है, लेकिन सच यह है कि मुस्लिम संप्रदाय भी जातियों में विभाजित है। मुस्लिम समाज अशराफ, अजलाफ और अरजाल में उसी तरह बंटा है, जैसे हिंदू समाज दलित, पिछड़े और सवर्ण में। जबसे पसमांदा कहे जाने वाले मुस्लिम समाज के पिछड़े तबके अपने अधिकारों को लेकर लामबंद हुए हैं, तब से देश का ध्यान इस ओर गया है कि यह समाज भी जातिवाद से ग्रस्त और त्रस्त है। जब चरणजीत सिंह चनी दलित चेहरे के रूप में पंजाब के मुख्यमंत्री बने तब कई लोग इससे परिचित हुए कि सिख समाज में भी दलित हैं। यह तो किसी से छिपा ही नहीं कि जो दलित हिंदू लोभ-लालच या फिर छल-बल से ईसाई बने, वे भी इस संप्रदाय में दलित ईसाई के रूप में ही जाने जाते हैं। भारतीय समाज में जाति की गहरी पैठ होने के बाद भी यह ठीक नहीं कि लोग अपने मतदान

का निर्धारण जाति-संप्रदाय के आधार पर करें। दुर्भाग्य से ऐसा ही होता आ रहा है और इसीलिए गोवा, मणिपुर से लेकर पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में दल जाति-संप्रदाय विशेष पर डोरे डालने में लगे हुए हैं। कुछ जातीय समूहों के बारे में तो यह मानकर चला जा रहा है कि वे अमुक दल के पक्के वोट बैंक हैं। इसी आधार पर चुनाव नतीजों का अनुमान भी लगाया जा रहा है, लेकिन ये अनुमान गलत साबित हों तो हैरत नहीं, क्योंकि एक तो कोई भी जाति-संप्रदाय शत-प्रतिशत उस दल को वोट नहीं देता, जिसे उसका पक्का वोट बैंक माना जाता है। दूसरे, सुशासन की पहुंच ने लोगों को अपने असल हितों के प्रति जागरूक किया है। अब एक बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं, जो अपना वोट इस आधार पर देते हैं कि सरकार उनकी समस्याओं को हल कर सकी या नहीं अथवा हल करने की सामर्थ्य और इरादा रखती है या नहीं? कथित चुनावी पंडित कुछ भी कहें, यह एक यथार्थ है कि 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 2014 से भी अधिक सीटें मिलने का एक बड़ा कारण यह रहा कि उसकी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक सही तरह पहुंचा। शौचालय, आवास, बिजली, रसोई गैस आदि से संबंधित योजनाएं जमीन पर केवल उतरी ही नहीं, बल्कि नजर भी आईं। इन योजनाओं से लाभान्वित लोगों, जिन्हें लाभार्थी की संज्ञा दी जा रही है, ने जाति-संप्रदाय की सीमाओं से परे जाकर वोट दिया। क्या पांच राज्यों के चुनावों में भी ऐसा होगा? इस सवाल का जवाब इस पर निर्भर करता है कि राज्य विशेष में जनकल्याण की केंद्रीय और प्रांतीय योजनाओं से लोगों के जीवन में कुछ बदलाव आया या नहीं? सरकारी योजनाओं से लाभान्वित लोग यानी लाभार्थी न केवल एक बड़ा वोट बैंक बन रहे हैं, बल्कि जाति-संप्रदाय की राजनीति को भोथरा करने का भी काम कर रहे हैं। इन लाभार्थियों के अलावा एक वोट बैंक उनका भी बन रहा है, जो विकास योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। सड़क, पुल, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, रेल, हवाई अड्डे आदि केवल देश को आगे ही नहीं ले जाते, बल्कि वे उनसे लाभान्वित होने वालों को ऐसे वोट बैंक के रूप में तब्दील भी करते हैं, जो जाति-संप्रदाय के आधार पर वोट नहीं देता। यह वोट बैंक भी एक तरह का लाभार्थी है। लाभार्थियों के रूप में एक वोट बैंक कानून एवं व्यवस्था की बेहतर होती स्थिति भी तैयार करता है। यदि बिहार में जंगलराज और उत्तर प्रदेश में गुंडाराज चुनावी मुद्दा बनते हैं तो इसीलिए, क्योंकि कानून एवं व्यवस्था की बिगड़ी स्थिति लोगों के लिए एक बड़ी मुसीबत बनती है। बेहतर हो कि जाति-संप्रदाय में वोट बैंक की तलाश करने वाले राजनीतिक दल यह समझें कि सुशासन बड़ा वोट बैंक बनाने का सबसे सशक्त माध्यम है। चूंकि जाति भारतीय समाज की एक सच्चाई है इसलिए दलों को सुशासन के साथ समाज के सभी समूहों को उचित प्रतिनिधित्व भी देना होगा। जो राजनीतिक दल यह करने में सक्षम होगा, वही सबसे बड़े, ठोस और जाति-समुदाय से मुक्त वोट बैंक से लैस होगा।

शीतकालीन ओलिंपिक की आड़ में चीन ने जो बदनीयती दिखाई उसका भारत ने बहिष्कार के जरिये दिया करारा जवाब

कभी-कभी अपना ही दांव उलटा पड़ जाता है। मसलन आप बेहतरी के लिए कुछ करना चाहें तो नतीजा बदतर साबित हो। शीतकालीन ओलिंपिक के मामले में चीन के साथ यही हुआ। अपनी साफ्ट पावर यानी सांस्कृतिक एवं सहभागिता की शक्ति बढ़ाने की मंशा से चीन ने शीतकालीन ओलिंपिक के आयोजन की जो कवायद की, वह अपने लक्ष्य से भटक गई। वैश्विक महामारी कोविड के कारण चीन की अंतरराष्ट्रीय छवि पहले से ही खराब है। उसे सुधारने के बजाय वह सवाल उठाने वाले देशों को धमकाता ही दिखा। ऊपर से समकालीन भू-राजनीतिक स्थितियों में तनाव घटाने के बजाय वह तनाव बढ़ाकर अपने हित साधने की फिराक में है। स्वाभाविक है कि इस सबका असर बीजिंग में चल रहे उन शीतकालीन ओलिंपिक खेलों पर पड़ रहा, जिन पर उनकी शुरुआत से काफी पहले ही ग्रहण का साया मंडराने लगा था। अमेरिका की अगुआई में पश्चिमी देशों ने पहले से ही इन खेलों के राजनयिक बहिष्कार का एलान कर दिया था। चीन ने इससे कोई सबक नहीं लिया। वैश्विक समुदाय को आश्वस्त करने का कोई प्रयास नहीं किया। उलटे यूक्रेन पर रूस-अमेरिका के गतिरोध में अपने रणनीतिक हित साधने की तैयारी में लग गया। मानों इतना ही पर्याप्त नहीं था। चीन द्वारा गलवन संघर्ष से जुड़े एक सैनिक को सुनियोजित ढंग से खेलों की मशाल थमाने के बाद तो भारत का धैर्य भी जवाब दे गया और उसने इन खेलों के राजनयिक बहिष्कार का उचित फैसला किया। इस पूरे वृत्तांत से एक बात तो तय है कि चाहे कितना ही बड़ा वैश्विक आयोजन क्यों न हो, किंतु चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के लिए अपने राजनीतिक-रणनीतिक हित सबसे ऊपर हैं। उसका यह ढकोसला जगजाहिर हो गया कि वह खेलों को राजनीति से इतर नहीं रख सकता। यह बात बीते दिनों टेनिस स्टार पेंग शुई के प्रकरण से भी स्पष्ट हो गई थी, जिन्होंने एक दिग्गज नेता पर शोषण के आरोप लगाए थे। हालांकि बाद में वह इन आरोपों से पलट गईं, लेकिन इससे यह तो स्पष्ट हो ही गया कि खेलों की दुनिया में भी कम्युनिस्ट पार्टी की कितनी गहरी पैठ है। ओलिंपिक खेलों की शुरुआत से पहले ही यह दिख रहा था कि कोरोना संकट के साथ ही शिनजियांग में उइगर मुसलमानों पर चीनी सरकार के उत्पीड, हांगकांग से लेकर ताइवान तक

निरंकुशता-आक्रामकता से कुपित वैश्विक समुदाय और विशेषकर पश्चिमी देश किसी न किसी रूप में इस आयोजन का बहिष्कार करेंगे। चूंकि खिलाड़ी ऐसे खेल महाकुंभों के लिए कई साल से मेहनत कर रहे होते हैं इसलिए उनके परिश्रम पर कहीं पानी न फिर जाए, इस पहलू को ध्यान में रखते हुए यह भी माना जा रहा था कि खेलों का पूर्ण बहिष्कार नहीं होगा। ऐसे में खेलों के राजनयिक बहिष्कार का विकल्प ही सबसे व्यावहारिक था और पश्चिम जगत और उनके सहयोगी देशों ने बिल्कुल वही राह अपनाई भी। चीन ने शुरू में इसे गंभीरता से नहीं लिया और वह महज इसे स्वयं पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा मानता रहा। उसे पूरा विश्वास था कि अपनी ताकत से वह इस खेल आयोजन को पूरी तरह सफल बनाएगा, लेकिन उसकी यह उम्मीद चकनाचूर हो गई। यही कारण है कि अब वह रक्षात्मक हो रहा है। जब दुनिया के दिग्गज देशों ने चीन से कन्नी काट ली तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का साथ उसके लिए बड़ी राहत लेकर आया। पुतिन खेलों के उद्घाटन समारोह का हिस्सा बने। रूस और चीन की बढ़ती नजदीकियों का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि पुतिन दुनिया के पहले ऐसे नेता हैं, जिनसे चीनी राष्ट्रपति ने पिछले करीब 20 महीनों के दौरान प्रत्यक्ष मुलाकात की। इस मुलाकात में शी ने जहां यूक्रेन और नाटो के मसले पर पुतिन के मन की बात कही तो पुतिन ने भी बदले में चीन के लिए गैस आपूर्ति बढ़ाने जैसे कई महत्वपूर्ण अनुबंधों को हरी झंडी दिखाई। जहां यूक्रेन के मुद्दे पर चीन ने कहा कि अमेरिका और उसके नाटो सहयोगियों को शीत युद्ध जैसे माहौल का निर्माण करने से बचना चाहिए, वहीं पुतिन ने भी ताइवान को लेकर वन चाइना पालिसी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई। इन दोनों देशों का इस कदर नजदीक आना न केवल अंतरराष्ट्रीय समुदाय, बल्कि भारत के लिए भी गंभीर चिंता का विषय है। ऐसा इसलिए, क्योंकि चीनी समर्थन से बूस्टर डोज पाकर अगर पुतिन यूक्रेन को लेकर और आक्रामक रुख अपनाते हैं तो उस स्थिति में भारतीय विदेश नीति के समक्ष दुविधा बहुत ज्यादा बढ़ जाएगी। तब उसके लिए अमेरिका एवं पश्चिमी देशों के सहयोग और रूस की सदाबहार दोस्ती की दुविधा के विकल्पों में से किसी एक का चयन करने की नौबत आ सकती है। साथ ही अमेरिका के पूर्वी यूरोपीय अखाड़े में फंसने से क्षहद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के अकेले पड़ जाने की आशंका बढ़ेगी, क्योंकि पिछले कुछ समय से इस क्षेत्र में भारत-अमेरिका की सक्रियता ने शक्ति संतुलन का पासा पलट दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत द्वारा शीतकालीन ओलिंपिक का राजनयिक बहिष्कार करने से इन खेलों की आभा फीकी पड के साथ ही चीन की छवि पर सवालिया निशान और गहरे होंगे। शुरुआत में भारत संभवतः इसके पक्ष में नहीं था तो इसका यही कारण हो सकता है कि उसकी मंशा खेलों को राजनीति से दूर रखने की हो, किंतु गलवन से जुड़े सैनिक को इस आयोजन का हिस्सा बनाकर चीन ने खेलों के प्रति भारत की सद्भावना भी गंवा दी। ऐसे में अंत समय में ही सही, लेकिन भारत ने इन खेलों का राजनयिक बहिष्कार कर यथोचित कदम उठाया है। इससे चीन को सटीक संदेश मिलेगा कि भारत को अपने हितों से समझौता स्वीकार्य नहीं। कुछ जानकार भले ही यह दलील दें कि ऐसा करने में भी भारत ने देरी कर दी तो वे यह जान लें कि यदि भारत शुरू में ही ऐसा करता तो भारतीय विदेश नीति पर पश्चिमपरस्ती का आरोप लगता। कहा जाता कि भारत पश्चिमी देशों के दबाव में ही ऐसा कर रहा है। ऐसे में बुरी नीयत के साथ चीनी कृत्य पर भारत की भली मंशा वाली प्रतिक्रिया न केवल उचित, बल्कि सर्वथा समयानुकूल भी है।

5 ऐसी पॉपुलर एक्सरसाइज़, जो असल में आपको बड़ा नुकसान पहुंचा सकती हैं

एक्सरसाइज़ जितनी शरीर के लिए ज़रूरी है, उतनी ही दिमाग़ के लिए भी फायदेमंद साबित होती है। वज़न घटाने के साथ-साथ एक्सरसाइज़ एनर्जी, मूड को बढ़ावा देती है और नीदं के साइकल को भी हेल्दी बनाती है। जो लोग काफी समय से जिम जा रहे हैं या फिर जिन्होंने हाल में ही वर्कआउट शुरू

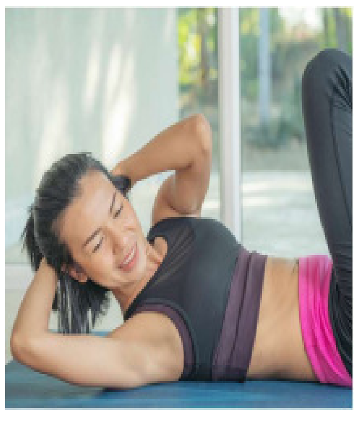

किया है, वे आमतौर पर वेटलिफ्टिंग एक्सरसाइज़ करते हैं जो मांसपेशियों और पूरे शरीर को फायदा पहुंचाती है। हालांकि, ऐसी भी कई एक्सरसाइज़ हैं जो काफी पॉपुलर तो हैं, लेकिन वे नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। यह एक्सरसाइज़ शरीर को किस तरह नुकसान पहुंचा रही हैं, इसका अनुभव तुरंत नहीं होता, लेकिन लंबे समय में जाकर पता चलता है। इसलिए यह और भी ज़रूरी हो गया है कि इन एक्सरसाइज़ के बारे में आप जानें ताकि नुकसान कम और फायदा ज़्यादा पहुंचे, खासतौर पर अगर आपने हाल ही में वर्कआउट शुरू किया है। तो आइए जानें उन 5 एक्सरसाइज़ के बारे में जो आपको पसंद तो बहुत आएंगी, लेकिन नुकसान भी पहुंचा सकती हैं। पेट और कोर की मांसपेशियों को मज़बूत बनाने के साथ यह फैट्स को भी दूर करने का काम करता है, लेकिन क्रंचेज़ पीठ पर स्ट्रेस की वजह भी बन सकते हैं। कोर को मज़बूती देने के लिए आप माउनटेन क्लाइंबर्ज। या फिर प्लैंक भी कर सकते हैं। ये पुल अप क्रॉस-फिट ट्रेनिंग का एक हिस्सा होते हैं, जिसमें खुद को झटके से बार से ऊपर उठाना होता है, इसे करने में काफी ऊर्जा की आवश्यकता होती है। भले ही यह एक्सरसाइज़ बाहों की मांसपेशियों के लिए बेस्ट लग रही हो, लेकिन एक्सपर्टेस इससे होने वाले नुकसान को लेकर चेतावनी भी देते हैं। इस अभ्यास को करने में चोट लगने का अधिक जोखिम होता है और इसलिए नियमित रूप से पुल अप करने की सलाह दी जाती है। इस एक्सरसाइज़ को करने में चोट का जोखिम बढ़ जाता है, इसलिए बेहतर है कि आप सिर्फ पुल अप्स ही करें। स्मिथ मशीन को देखकर ऐसा लगता है कि इसे करते समय अगर आपसे वज़न छूट गया, तब भी आप दुर्घटना से सुरक्षित रहेंगे। हालांकि, ऐसा है नहीं। स्मिथ मशीन वास्तव में अपने डिज़ाइन की वजह से आपके घुटनों पर अत्यधिक स्ट्रेस डाल सकती है। यह पैरों की मांसपेशियों को मज़बूत बनाने के लिए भी ऊयादा फायदेमंद नहीं है। इससे बेहतर है कि आप बारबेल स्क्वैट्स करें। यह एक्सरसाइज़ क्वाड मांसपेशियों पर वास्तव में अच्छी तरह से काम करती है, लेकिन यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस अभ्यास को करते समय घुटनों पर अत्यधिक तनाव कैसे न पड़े। इस मशीन पर जब ज़्यादा वज़न रख दिया जाता है, तो इससे घुटनों पर अत्यधिक प्रेशर पड़ता है, जिससे आगे चलकर घुटनों को काफी नुकसान भी पहुंच सकता है। इस एक्सरसाइज़ को बॉडीबिल्डिंग के दिग्गज अर्नाल्ड श्वार्जनगर ने लोकप्रिय बनाया। भले ही वह अपनी ट्रेनिंग की आदतों और पैटर्न के लिए मशहूर हैं, फिर भी यह सुनना ज़रूरी है कि एक्सपर्ट्स का क्या कहना है। गर्दन के पीछे वजन खींचना कंधों और रीढ़ की हड्डी के लिए हानिकारक साबित हो सकता है, और इसलिए वजन को छाती की ओर खींचने की सलाह दी जाती है।

जानिए, माघ माह के अंतिम प्रदोष व्रत की तिथि, मुहूर्त और पूजा विधि

हर महीने की कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी को प्रदोष व्रत मनाया जाता है। इस प्रकार, माघ माह में शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी का प्रदोष व्रत 14 फरवरी को है। इस दिन भगवान भोलेनाथ और माता-पार्वती की पूजा-अर्चना की जाती है। सप्ताह के सातों दिनों को पड़ने वाले प्रदोष व्रत को नाम से पुकारा जाता है। माघ माह में शुक्ल पक्ष का प्रदोष व्रत सोमवार को पड़ रहा है। अतः यह सोम प्रदोष व्रत कहलाएगा। शास्त्रों और पुराणों में निहित है कि सोम प्रदोष व्रत करने से व्यक्ति की सभी इच्छाएं पूर्ण होती है। सोमवार का दिन भगवान शिव को समर्पित होता है। अतः सोम प्रदोष व्रत करने से दुगुना फल प्राप्त

होता है। आइए, प्रदोष व्रत पूजा का शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और व्रत महत्व जानते हैं माघ, शुक्ल त्रयोदशी सोमवार 14 फरवरी, 2022 को है। शुक्ल त्रयोदशी तिथि 13 फरवरी को संध्या काल में 6 बजकर 42 मिनट पर शुरु होकर 14 फरवरी को रात में 8 बजकर 28 मिनट पर समाप्त होगी। सोम प्रदोष व्रत के दिन पूजा का शुभ मुहूर्त संध्याकाल में 6 बजकर 10 मिनट से शुरू होकर रात्रि में 8 बजकर 28 मिनट तक है। व्रती संध्याकाल में भगवान शिव एवं माता पार्वती की पूजा-उपासना कर सकते हैं। व्रत नियम द्वादशी से पालन करना अनिवार्य है। अतः साधकों को द्वादशी तिथि के दिन तामसिक भोजन ग्रहण नहीं करना चाहिए। अगले दिन यानी त्रयोदशी को ब्रह्म मुहूर्त में उठकर शिवजी को प्रणाम कर दिन की शुरुआत करें। नित्य कर्मों से निवृत होकर गंगाजल युक्त पानी से सन्न-ध्यान करें। इसके पश्चचात, अंजिल में गंगाजल रख आमचन कर अपने आप को शुद्ध और पवित्र करें। फिर श्वेत और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद सबसे पहले भगवान सूर्य को जल का अर्घ्य दें। फिर भगवान शिव जी एवं माता पार्वती की पूजा फल, फूल, धूप, दीप, अक्षत, भांग, धतूरा, दूध,दही और पंचामृत से करें। पूजा करते समय शिव चालीसा का पाठ, मंत्रों का जाप अवश्य करें। अंत में आरती अर्चना कर भगवान शिव और माता पार्वती से अन्न जल और धन की कामना करें। दिनभर उपवास रखें। शाम में आरती अर्चना करें। फिर फलाहार करें। अगले दिन पूजा-पाठ संपन्न कर व्रत खोलें।

जल जीवन मिशन, सरकार के साथ जनता को भी दिखानी होगी गंभीरता

जल जीवन मिशन के तहत देश के पिछड़े 112 जिलों में 28 महीने के भीतर सवा करोड़ घरों में नल से जल पहुंचाने की तैयारी यही बताती है कि केंद्र सरकार अपनी इस महत्वाकांक्षी योजना को सही तरह से आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री ने इस योजना को शुरू करने की घोषणा 15 अगस्त 2019 को लाल किले की प्राचीर से की थी। इस योजना का लक्ष्य देश के ग्रामीण क्षेत्र के सभी घरों, स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों तक पाइपलाइन से पेयजल पहुंचाना है और वह भी 2024 तक। यह लक्ष्य तय करके केंद्र सरकार ने एक ओर जहां अपनी इच्छाशक्ति का परिचय दिया है, वहीं यह भी रेखांकित किया है कि उसे अपनी योजनाओं को जमीन पर अच्छी तरह उतारना आता है। उसने अपनी कई योजनाओं पर सही ढंग से अमल करके यह साबित भी किया है। चूंकि जनकल्याण से जुड़ी अन्य कई योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में सफलता मिली है, इसलिए आम जनता में यह भरोसा पैदा हुआ है कि यह सरकार जो कुछ कहती है, उसे पूरा भी करती है। जल जीवन मिशन से जुड़ी यह योजना किस गति से काम कर रही है, इसे इससे समझा जा सकता है कि दिसंबर 2021 तक करीब साढ़े पांच करोड़ घरों में नल से जल से पहुंचा दिया गया है। तेलंगाना, गोवा आदि कई राज्यों में तो हर घर में नल से जल पहुंचाने का लक्ष्य हासिल भी कर लिया गया है। उम्मीद है कि इन राज्यों में जो कर दिखाया गया, वह अन्य राज्यों में भी तय समय में संभव किया जा सकेगा। वास्तव में यह संभव करने के लिए ही इस बार के आम बजट में हर घर नल से जल योजना के लिए 2022-23 में 3.8 करोड़ घरों को कवर करने के लिए 60 हजार करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। यह सुनिश्चित करने से न केवल ग्रामीण जनता को एक बड़ी राहत मिलेगी, बल्कि उसके स्वास्थ्य की रक्षा करने में भी सहायता मिलेगी। इस योजना को आगे बढ़ाने के साथ ही इस पर भी विशेष ध्यान दिया जाना आवश्यक है कि जल संरक्षण संबंधी योजनाएं भी सफलता के साथ लागू हों। इसी तरह यह भी देखा जाना चाहिए कि भूमिगत जल का अनावश्यक दोहन और उसका दुरुपयोग रुके। इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि फिलहाल दुरुपयोग हो रहा है। इसी तरह जल संरक्षण के जो उपाय किए गए हैं, उन पर भी ढंग से अमल नहीं हो पा रहा है। ऐसा हो, इसके लिए सरकार के साथ जनता को भी गंभीरता दिखानी होगी।

संक्षिप्त समाचार

बिहार एमएलसी चुनाव आरजेडी से ब्रेक-अप के बाद सभी 24 सीटों पर अकेले लड़ेगी कांग्रेस ग्राउंड रियलिटी की इनसाइड स्टोरी

पटना। बिहार के विपक्षी महागठबंधन में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) व कांग्रेस के बीच दरार की खबरों के बीच अब मामला फाइनल ब्रेक-अप की ओर बढ़ता दिख रहा है। आरजेडी ने बिहार विधान परिषद की 24 सीटों पर होने जा रहे चुनाव (बिहार एमएलसी चुनाव) में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं देने की घोषणा कर दी है। इसके बावजूद आरजेडी का दावा है कि चुनाव को लेकर महागठबंधन के घटक दलों में मतभेद नहीं है। हालांकि, इसपर फैसला कांग्रेस को करना है। इस बीच आरजेडी से निराश कांग्रेस विधान परिषद की सभी 24 सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने जा रही है। इन सीटों के लिए कांग्रेस आलाकमान ने पर्यवेक्षक भी नियुक्त कर दिए हैं, जिनकी रिपोर्ट के आधार पर पार्टी सीट व उम्मीदवार तय करेगी। हालांकि, चुनाव में कांग्रेस के सामने मुश्किलें भी खड़ी दिख रहीं हैं। बिहार एमएलसी चुनाव को लेकर कांग्रेस आलाकमान ने प्रभारी सचिव वीरेंद्र सिंह राठौर को बिहार भेजा है। राठौर पार्टी नेताओं और संभावित उम्मीदवारों से मुलाकात कर रहे हैं। बिहार से मिले फीडबैक के आधार पर कांग्रेस आलाकमान सीटों व उम्मीदवारों को लेकर फैसला करेगा। इस बीच कांग्रेस ने महागठबंधन से अलग चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है। हालांकि, इस राह में मुश्किलें भी दिख रहीं हैं।

भाजपा प्रत्याशी ने चुनाव प्रचार के आखिरी दिन जन आशीर्वाद के साथ सनातन मंदिर में पूजा कर प्रभु का आशीर्वाद प्राप्त किया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। आज भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह ने नोएडा सेक्टर 29 में पंजाबी क्लब में पंजाबी समाज के लोगों से जनसंवाद किया तथा हरौला में भी जनसम्पर्क कर जन आशीर्वाद प्राप्त किया उत्तर प्रदेश में विगत पांच वर्षो में कानून-व्यवस्था में हुए आमूल-चूल परिवर्तन को रेखांकित करते हुए श्री पंकज सिंह ने कहा कि सपा-बसपा की सरकार में गुंडा और माफिया राज ने पूरे प्रदेश को अपनी गिरफ्त में ले लिया था। उत्तर प्रदेश की जनता आज भी मुजफ्फरनगर दंगे और कैराना से पलायन के दंश को भूली नहीं है। मुजफ्फरनगर दंगे पर तो सुप्रीम कोर्ट ने भी सपा की अखिलेश सरकार को फटकार लगाई थी कि ये दंगे सपा सरकार की नाकामी का नतीजा है। सुप्रीम कोर्ट ने तब यह भी कहा था कि दंगा पीड़ितों को मुआवजा देने में भी सपा सरकार की ओर से इस तरह व्यवस्था की गई कि एक धर्म विशेष के लोगों को ही लाभ मिले। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि उत्तर प्रदेश की सपा सरकार की लापरवाही के साथ साथ मुजफरनगर की त्रासदी प्रशासनिक नाकामी भी है। ये सारी बातें इस चीज को दर्शाती है कि किस तरीके से उस समय की अखिलेश यादव सरकार काम करती थी और आज योगी आदित्यनाथ सरकार कैसे काम करती है। पंकज सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था विगत पांच वर्षों में 7वें से दूसरे स्थान पर आ गई है दो एम्स बने हैं और मेडिकल कॉलेज की संख्या 15 से 59 पहुँच गई है। पिछले पांच वर्षो में पांच इंटरनेशनल एयरपोर्ट्स हैं और जेवर में एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बन रहा है। ये सिर्फ एयरपोर्ट नहीं है बल्कि विकास का माध्यम है। विगत पांच वर्षों में उत्तर प्रदेश में पांच नए एक्सप्रेस-वे बने हैं और ये एक्सप्रेस-वे केवल हाइवे नहीं बल्कि विकास की गंगा है। प्रोडक्ट लिंक इंसेंटिव के माध्यम से लाखों रोजगार सृजित किये जा रहे हैं। लगभग ढाई लाख करोड़

रुपये एमएसपी पर फसलों की खरीद के लिए आवंटित किया गया है। हर घर नल से जल पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन योजना के तहत लगभग 60,000 करोड़ रुपये इस बजट में आवंटित किये गए हैं। केन-बेतवा लिंक परियोजना पर लगभग 44 हजार करोड़ रुपये खर्च किये जायेंगे। इससे बुंदेलखंड में पानी की समस्या तो हल होगी है, लाखों हेक्टेयर भूमि भी सिंचित होगी। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार से आज भारतीय सेना को सीमा पर प्रतिकार करने के लिए किसी से पूछने की आवश्यकता नहीं है और किस प्रकार से भारतीय सेना अपने पराक्रम से चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो एयर स्ट्राइक हो या डोकलाम में चीनी सैनिकों को खदेड़ने की बात हो भारतीय सेना ने अपने पराक्रम से शत्रुओं के दांत खट्टे कर दिए हैं आज संपूर्ण विश्व भारत की ओर देख रहा है जहां एक तरफ अनेक विकसित राष्ट्र गरीब देशों को वैक्सीन उपलब्ध कराने में असमर्थ दिखे वहीं भारत ने अपने नागरिकों को 110 करोड़ से अधिक कोरोना वैक्सीन के टीके भी लगवाए और विश्व के अनेक देशों को भी वैक्सीन उपलब्ध कराइ उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां प्रदेश में भव्य राम मंदिर का निर्माण प्रारंभ हो चुका है, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर संपूर्ण विश्व को सनातन संस्कृति से परिचित करा रहा है वहीं दूसरी तरफ उत्तर प्रदेश विदेशी निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है, सुद्रढ़ कानून व्यवस्था की बात हो, या उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा की बात हो या कोरोना काल में गरीबों को मुफ्त राशन वितरण की योजना आदरणीय योगी जी और मोदी जी ने भारत की संस्कृति और सभ्यता को पुनर्स्थापित करने के लिए सतत प्रयास किया है और यह प्रयास अनवरत जारी है उन्होंने बताया कि आज भारत विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है और भारत विश्व गुरु बने इसके लिए मोदी जी और योगी जी को सतत जन आशीर्वाद और युवाओं के सहयोग की आवश्यकता है पंकज सिंह ने बताया कि योगी जी के नेतृत्व में जिस प्रकार से नोएडा का विकास हुआ है वह निसंदेह है अभूतपूर्व है और जिस प्रकार से पिछली सरकारों के मुख्यमंत्री नोएडा को अपशगुन मानते थे और नोएडा नहीं आते थे उसके उलट भारतीय जनता पार्टी के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी अपने कार्यकाल के दौरान अनेकों बार नोएडा आए यहां की जनता से मिले संवाद किया यहां की समस्याओं को समझा और उनका निराकरण भी कराया उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नोएडा विश्व में व्यापारिक शक्ति का केंद्र बनेगा पंकज सिंह ने नोएडा में हुए विकास कार्यो की बात करते हुए बताया कि पिछले 5 वर्षो में नोएडा में लगभग 20000 करोड़ के विकास कार्य किए गए हैं जो प्रत्यक्ष रूप से देखे भी जा सकते हैं उन्होंने बताया कि जेवर एयरपोर्ट एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनने जा रहा है और विश्व का पांचवा सबसे बड़ा एयरपोर्ट बनेगा उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट के माध्यम से 100000 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार प्राप्त होगा तथा इस संपूर्ण क्षेत्र में अनेकों रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और नोएडा विश्व में विदेशी निवेश का प्रमुख आकर्षण बनेगा उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल में नोएडा में अभूतपूर्व विकास हुआ है एवं नोएडा के सरकारी स्कूलों में भी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं जिससे गरीब परिवार के बच्चों को भी उच्च शिक्षा प्राप्त हो सके पंकज सिंह ने जनमानस से आग्रह करते हुए 10 फरवरी को कमल के फूल का बटन दबाकर उन को विजयी बनाने तथा योगी जी एवं मोदी जी द्वारा आरंभ की गई विकास की गंगा को सतत् प्रवाहित होने के लिए शत् प्रतिशत मतदान का आग्रह किय संध्या काल में भाजपा प्रत्याशी एवं वर्तमान विधायक पंकज सिंह ने सेक्टर 19 के सनातन धर्म मंदिर में जाकर पूजा अर्चना कर मां भवानी, प्रभु श्री राम एवं बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया, संपूर्ण मंदिर प्रांगण जय माता दी एवं जय बजरंगबली के नारों से गुंजायमान हो उठा आज प्रचार के आखिरी दिन सभी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गौतमबुद्ध नगर मे 10 फरवरी को मतदान के लिए रहेगी मजबूत सुरक्षा व्यवस्था, 8700 पुलिसकर्मियों और 34 अर्धसैनिक बलों की कंपनियां रहेंगी मौजूद

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर की तीनों विधानसभा सीटों में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी 8700 पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की 34 कंपनियों पर होगी। 10 फरवरी को मतदान के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। मतदान केंद्रों और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन से भी नजर रखी जाएगी। प्रेसवार्ता में पुलिस कमिशनर आलोक सिंह ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए सीमावर्ती जिलों की पुलिस के साथ बैठक हो चुकी है। शनिवार शाम सभी जिलों की सीमा पर बैरिकेडिंग कर जांच शुरू हो चुकी है। मतदान के दिन 8700 पुलिसकर्मी और होमगार्ड तैनात होंगे। इनके अलावा अर्द्धसैनिक बल की 34 कंपनियां भी मुस्तैद रहेंगी। इनके ठहरने की व्यवस्था कर दी गई है। अर्द्धसैनिक बल की कंपनियां आने के बाद सभी विधानसभा क्षेत्र में मार्च निकाले जाएंगे, ताकि चुनाव के लिए सुरक्षित माहौल बनाया जा सके। 248 उपद्रवियों को चिह्नित किया गया है। साथ ही संवेदनशील) और अति संवेदनशील क्षेत्रों को भी चिह्नित किया जाएगा। मतदाताओं को एक सुरक्षित माहौल दिया जाएगा। अभी तक जमा हो चुके हैं 3000 हथियार जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने बताया कि जिले में हथियारों के करीब 13000 लाइसेंस हैं। इनमें से 3000 हथियार जमा कराए जा चुके हैं। करीब 90 प्रतिशत हथियारों को जमा कराने का लक्ष्य है। एक स्कैनिंग कमेटी गठित की है जो बाम्बे हाईकोर्ट के एक आदेश के तहत लाइसेंसधारक को छूट देने पर फैसला लेगी। मुचलकों में पाबंद करने की भी कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता स्वयं के लिए लड़ रहा है चुनाव विधायक सुनील वर्मा

(आधुनिक समाचार सेवा)
आशीष त्रिवेदी

सीतापुर । की लहरपुर विधानसभा जहां से समाजवादी पार्टी एवं बसपा के दोनों पूर्व विधायक आपस में दोस्ती कर समाजवादी के बैनर तले भाजपा के मौजूदा विधायक को टक्कर देने की ठानी है वहीं भाजपा के विधायक सुनील वर्मा अपने कार्यकर्ताओं का जोश देखकर बेहद खुश हैं एवं स्वयं भी क्षेत्र में पूरा समय देकर निरंतर दौरा कर रहे हैं उनके साथ साथ कार्यकर्ता पूरे जोश के साथ मोदीजी व योगी जी की योजनाओं को जन जन तक फैला रहे हैं उनके समर्थन में राघवेंद्र प्रताप सिंह(बबलू भैया) पूर्व ब्लाक प्रमुख परसेंडी, आलोक सिंह (ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि परसेडी) ,राहुल सिंह, संजय वर्मा प्रधान इटारी , निर्मल वर्मा पूर्व प्रधान रसूलपुर डॉ. गिरीश शुक्ला प्रतिनिधि जिला पंचायत सदस्य आदि सुनील वर्मा को दोबारा विधायक बनाने के लिए दिन रात मेहनत कर रहे हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने की निर्वाचन की तैयारी बैठक,प्रेक्षकों की हुई नियक्ति

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2022 को सकुशल, निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने हेतु जनपद की सभी 7 विधानसभाओं में प्रेरकों की नियुक्ति कर दी गई है। विधानसभा रामपुरखास के माननीय सामान्य प्रेक्षक के0 राजेश, विधानसभा बाबागंज के सामान्य प्रेक्षक श्रीकान्त शास्त्री, विधानसभा कुण्डा के सामान्य प्रेक्षक एलेक्स वी0के0पॉल मेनन, विधानसभा विश्वनाथगंज के सामान्य प्रेक्षक एस0सरवनन, विधानसभा प्रतापगढ़ के सामान्य प्रेक्षक रमन एस0ए0,विधानसभा पट्टी के सामान्य प्रेक्षक रूगवेद मिलिन्द

ठाकुर, विधानसभा रानीगंज के सामान्य प्रेक्षक दीपेन्द्र सिंह कुशवाह व 7वों विधानसभा के पुलिस प्रेक्षक अनूप कुरूविल्ला जॉन ने सभी निर्वाचन अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ0नितिन बंसल ने मा0 प्रेक्षकों को जनपद की 7वों विधानसभाओं में निर्वाचन सकुशल सम्पन्न कराने के लिये की गयी तैयारियों के सम्बन्ध में प्रोजेक्टर के माध्यम से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आयोग के मानक के अनुरूप 01 बूथ पर अधिकतम 1250 मतदाता सम्बद्ध किये गये है, जनपद में 2812 बूथ बनाये गये है, सभी बूथों पर आयोग द्वारा चिन्हित न्यूनतम सुविधायें यथा बिजली, पेयजल, रैम्प, शौचालय, फर्नीचर, साफ-सफाई आदि करा दी गयी है। सभी बूथों पर कोविड19 से बचाव हेतु हेल्पडेस्क की व्यवस्था की गयी है। मतदान के दिन बिजली न रहने की दशा में जनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था की गयी है। आयोग के निर्देश के क्रम में बूथों पर स्टैटिक मजिस्ट्रेट लगाये जा रहे तथा वीडियोग्राफी भी करायी जायेगी। रूट चार्ट तैयार कर लिया गया है, जनपद में 24 लाख 50 हजार 962 मतदाता है। जनपद में सर्विस वोटर की संख्या 4718 है जिन्हें पोस्टल बैलेट पेपर के माध्यम से वोटिंग करायी जायेगी। एपिक कार्ड 61895 का वितरण पोस्ट आफिस के माध्यम से किया गया है, दिव्यांग वोटर 18316 चिन्हित किये गये है। ईवीएम व वीवीपैट 3744 है, ईवीएम एवं वीवीपैट से सम्बन्धित तैयारियां पूर्ण कर ली गयी है। निर्वाचन हेतु 14624 पोलिंग पर्सनल लगाये गये है जिनकी प्रथम ट्रेनिंग करा ली गयी है द्वितीय ट्रेनिंग विधानसभा 15 फरवरी से 22 फरवरी के बीच सेन्ट अन्थोनी इण्टर कालेज एवं राजकीय इण्टर कालेज में करायी जायेगी। इसी तरह ट्रांसपोटेशन हेतु वाहनों की आवश्यकता के अनुसार व्यवस्था की जा रही है, आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन एवं उसकी मानीटरिंग निरन्तर की जा रही है, जनपद में मतदान प्रतिशत के सम्बन्ध में बताया गया कि गत विधानसभा में 55.84 प्रतिशत एवं लोकसभा में 53.50 प्रतिशत मतदान हुआ था। कम मतदान वाले बूथों पर स्वीप गतिविधियां नियमित रूप से करायी जा रही है। बैठक में मा0 सामान्य प्रेक्षक कुण्डा एवं सामान्य प्रेक्षक रानीगंज द्वारा कम मतदान वाले बूथों पर स्वीप गतिविधियां बढ़ाने की अपेक्षा की ताकि मतदान प्रतिशत बढ़ाया जा सके। डिस्ट्रिक्ट कन्टेक्ट सेन्टर, सी-विजिल एवं मीडिया सर्टिफिकेशन एण्ड मानीटरिंग कमेटी के सम्बन्ध में डी0एम0 ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में स्थापित है जो 24 घंटे कार्यरत है, निर्वाचन सम्बन्धी मिलने वाली शिकायतों का निस्तारण किया जा रहा है। संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील बूथों के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल द्वारा बताया गया कि सकुशल एवं निष्पक्ष मतदान हेतु जनपद में लगभग 25000 पुलिस बल लगाये जायेगें जिसमें 98 कम्पनी अर्द्धसैनिक बल, 02 कम्पनी पीएसी, एसआई 600 और हेड कान्सटेबल, कान्सटेबल 5726 एवं 5072 होमगार्ड सम्मिलित होगें। बाहर से आने वाले पुलिस बल के रूकने के लिये 132 कालेज चिन्हित किये गये है जहां पर सभी आवश्यक व्यवस्थायें सुनिश्चित कर ली गयी है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि लगभग 59222 लोगों को पाबन्द किया गया है, 13406 असलहे जमा कराये गये है। उन्होने यह भी बताया कि सभी मतदान केन्द्रों का एक-एक नोडल कान्सटेबल बनाया गया है जिनके द्वारा अपराध रजिस्टर तैयार किया गया है तथा 17 बिन्दुओं से सम्बन्धित सूचनायें ली जा रही है। अपर पुलिस अधीक्षक एवं क्षेत्राधिकारी प्रतिदिन 02 मतदान केन्द्र के नोडल अधिकारियों करते है। आश्वस्त किया कि जनपद के सभी विधानसभाओं में निष्पक्ष, शान्तिपूर्ण एवं सकुशल मतदान सम्पन्न कराने हेतु सभी तैयारियां कर ली गयी है।निर्वाचन सकुशल सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन कटिबद्ध है। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ईशा प्रिया, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सुनील कुमार शुक्ल, मुख्य राजस्व अधिकारी इन्द्र भूषण वर्मा, जिला सूचना अधिकारी विजय कुमार, ई-डिस्ट्रिक मैनेजर पुष्पेन्द्र सहित समस्त निर्वाचन अधिकारी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे। प्रेक्षकों ने जिलाधिकारी संग महुली मण्डी स्थित मतगणना स्थल का भी निरीक्षण किया।

मुंबई से भुज के लिए विमान ने बिना इंजन कवर के भरी उड़ान, 70 यात्री थे प्लेन में सवार

अहमदाबा। मुंबई से गुजरात के कच्छ भुज आने वाले यात्री विमान के इंजन का कवर उड़ जाने के बावजूद विमान को भुज में सुरक्षित लैंड किया गया। सभी 61 यात्री पूरी तरह सुरक्षित पहुंच गए। नागरिक उड्डयन विभाग ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं।

मुंबई से गुजरात के कच्छ भुज आने वाला एकमात्र विमान के सुबह करीब 6:30 बजे मुंबई से टेक को करने के दौरान उसके एक इंजन का कवर उड़ गया। पायलट ने पूरी सावधानी दिखाते हुए विमान को सुरक्षित कच्छ भुज एयरपोर्ट पर लैंड कराया। विमान व सभी यात्री सुरक्षित भुज पहुंच गए। विमान के इंजन का टूट जाने से एक बड़ी विमान दुर्घटना हो सकती थी, लेकिन पायलट की सूझबूझ से विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बच गया। बुधवार सुबह सवा छह बजे ज्यों ही मुंबई के शिवाजी टर्मिनल एयरपोर्ट मुंबई से एलायंस एयर की एटीआर फ्लाइट ने जब उड़ान भरी, तो उसके तुरंत बाद इंजन का कवर हवा में उड़ गया। विमान सुबह 8:10 पर भुज एयरपोर्ट पर उतरा। नागरिक उड्डयन विभाग के महानिदेशक ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। पायलट को विमान टेक आफ करते ही इस बात का पता चल गया था, लेकिन उसमें कुशलता का परिचय देते हुए विमान को सकुशल कच्छ भुज एयरपोर्ट पर लैंड कराया। विमान में करीब 60 यात्री मौजूद थे। इसके अलावा पायलट एवं ग्रुप मेंबर भी सवार थे। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश सरकार के राजकीय विमान (बी-200जीटी/वीटी एमपीक्यू) के दुर्घटनाग्रस्त होने के मामले में राज्य सरकार ने विमान के पायलट कैप्टन माजिद अख्तर के खिलाफ अभी हाल में आरोप तय किए हैं।

यूपी, दिल्ली और पंजाब में रेलवे की इस तकनीक से हो रही करोड़ों की बचत

नई दिल्ली। परंपरागत तरीक से रेल कोच की सफाई में भारी मात्रा में पानी की जरूरत होती है। इस काम में समय भी ज्यादा लगता है। पानी की बर्बादी रोकने और मशीन से धुलाई शुरू हो गई है। यहां नई दिल्ली और पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन छोड़कर राजधानी के सभी बड़े स्टेशनों पर मशीन से कोच की सफाई शुरू हो गई है।

कम समय में बेहतर सफाई के लिए उत्तर रेलवे में स्वचालित कोच धुलाई संयंत्र को बढ़ावा दिया जा रहा है। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर इस तरह का पहला संयंत्र लगा था और अब 10 स्टेशनों पर यह सुविधा हो गई है। सिर्फ दिल्ली में इस इस आधुनिक तकनीक को अपनाकर प्रति वर्ष लगभग 24 करोड़ लीटर पानी की बचत की जा रही है। राजधानी दिल्ली में रोज साढे चार सौ से ज्यादा कोच की जल्द ही नई दिल्ली पर भी यह सुविधा उपलब्ध हो जाएगी। पारंपरिक तरीके से कोच सफाई में काफी समय और कर्मचारियों की जरूरत होती है। लगभग 22 कोच वाली ट्रेन के बाहरी हिस्से को साफ करने के लिए करीब 32 कर्मचारियों की जरूरत होती है। इन्हें ट्रेन साफ करने में लगभग डेढ़ से दो घंटे का समय लगता है। वहीं, स्वचालित संयंत्र में मात्र एक कर्मचारी लगभग 15 मिनट में पूरी ट्रेन के बाहरी हिस्से को साफ कर देता है। शौचालय के नीचे वाले हिस्से को साफ करने में कर्मचारियों को भी परेशानी होती थी। मशीन से यह काम भी आसान हो गया है। उत्तर रेलवे द्वारा गठित कमेटी के रिपोर्ट के अनुसार पारंपरिक तरीके से कोच की धुलाई में प्रति कोच 1500 लीटर पानी की जरूरत होती है। स्वचालित संयंत्र से धुलाई में मात्र 300 लीटर पानी की आवश्यकता होती होती है। इसमें भी स्वच्छ जल सिर्फ 60 लीटर। शेष 240 लीटर शोधित करके इस्तेमाल किया जाता है। दिल्ली में स्वचालित संयंत्र के प्रयोग से अभी लगभग दो करोड़ रुपये प्रति वर्ष बचत हो रही है। अधिकारियों का कहना है कि नई दिल्ली पर संयंत्र शुरू होने के बाद यह बचत बढ़कर पौने तीन करोड़ रुपये हो जाएगी। नई दिल्ली में दो संयंत्र लगाए जा रहे हैं। जल्द ही इनका काम पूरा कर लिया जाएगा। इसके साथ ही कोचग डिपो शकूरबस्ती में भी संयंत्र लगाने की तैयारी है। औपचारिकता पूरी कर ली गई है जल्द ही संयंत्र लगाने का काम शुरू कर दिया जाएगा। ईएमयू कार शेड गाजियाबाद, अमृतसर, जालंधर डीईएमयू कार शेड, बडगाम डीईएमयू कार शेड ।

हरियाणा में फिर प्रशासनिक फेरबदल, सीएम के ओएसडी सतीश कुमार होंगे लोकसेवा आयोग में उपसचिव

चंडीगढ़। हरियाणा लोक सेवा आयोग के सचिव पद पर आइएएस यश गर्ग की नियुक्ति के

बाद अब प्रदेश सरकार ने उप सचिव के पद पर भी नियुक्ति कर दी है। मुख्यमंत्री कार्यालय में सीएम के ओएसडी रहे एचसीएस सतीश कुमार हरियाणा लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर तैनात किए गए हैं। भर्ती घोटाले में संलिप्तता के चलते एचसीएस अनिल नागर को उपसचिव पद से हटाकर बर्खास्त किया जा चुका है। अनिल नागर के जाने के बाद से यह पद खाली था। बुधवार को प्रदेश सरकार ने 14 प्रशासनिक अधिकारियों के नियुक्ति एवं ट्रांसफर आर्डर जारी किए। बदले गए अधिकारियों में 12 आइएएस और दो एचसीएस शामिल हैं। राज्य सरकार ने मंगलवार को भी 21 आइएएस और तीन एचसीएस अधिकारियों के तबादले किए थे। नूंह व जींद में डीसी नियुक्त किए गए अधिकारियों ने अभी अपना कार्यभार संभाला भी नहीं था कि उनके फिर से बदली आदेश आ गए हैं। बुधवार को जारी हुए ट्रांसफर आदेश में चार जिलों के डीसी शामिल हैं। झज्जर डीसी श्याम लाल पूनिया को यहां से बदल कर अब महेंद्रगढ़ का डीसी लगाया गया है। महेंद्रगढ़ के डीसी अजय कुमार को नूंह का डीसी लगाया है। मेवात विकास एजेंसी के सीइओ का कार्यभार भी मनोज कुमार के पास रहेगा। मंगलवार को सरकार ने परिवहन निदेशक वीरेंद्र कुमार दहिया को जींद का डीसी नियुक्त किया था। बुधवार को उन्हें जींद से बदलकर झज्जर का डीसी लगाया है। नूंह में डीसी लगाए गए मनोज कुमार-द्वितीय को बदल कर अब जींद का डीसी लगाया गया है। प्रदेश सरकार ने दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम के प्रबंध निदेशक का जिम्मा को ही पीसी मीणा को सौंपा है। मंगलवार को हुए तबादलों में मीणा से यह जिम्मा लेकर पंकज यादव को दिया था। अब सरकार ने पंकज यादव को हरियाणा परिवहन का महानिदेशक लगाया है। हारट्रोन के एमडी मनदीप सिं बराड़ को उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के महानिदेशक तथा सचिव का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा है। उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के डीजी रहे साकेत कुमार को उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम का प्रबंध निदेशक लगाया है। हरियाणा मानव संसाधन विभाग के विशेष सचिव चंद्रशेखर खरे को विज्ञान एवं तकनीकी विभाग के निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार दिया है। पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से कमजोर मामले निगम के प्रबंध निदेशक तथा कौशल एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक मनीराम शर्मा को यहां से बदल कर गृह विभाग-द्वितीय में विशेष सचिव लगाया है। साथ ही हरियाणा के श्रमायुक्त तथा श्रम विभाग के विशेष सचिव का कार्यभार भी शर्मा को सौंपा है। कान्फेड के एमडी तथा हरियाणा गवर्नेंस रिफार्म अथारिटी के निदेशक जयबीर सिंह आर्य को हरियाणा पिछड़ा वर्ग एवं आर्थिक रूप से पिछले कल्याण निगम के प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार दिया गया है। श्रमायुक्त लगाए गए मनोज कुमार वन अब सैनिक एवं अर्धसैनिक विभाग के निदेशक होंगे। कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग के निदेशक का जिम्मा भी मनोज कुमार-वन को सौंपा गया है। एचसीएस अधिकारी व यमुनानगर निगम निगम के संयुक्त आयुक्त वीरेंद्र सिंह ढुल को पानीपत का एसडीएम लगाया है।

सीधे OTT प्लेटफॉर्म पर आएगी यामी गौतम की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म, 'वेडनेसडे' को जारी हुआ 'अ थर्सडे' का टीजर

नई दिल्ली। यामी गौतम की सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म अ थर्सडे सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म डिजनी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

फिल्म का टीजर बुधवार को रिलीज कर दिया गया। टीजर में एक राइम बोलते हुए यामी के किरदार की झलक दिखायी गयी है। अ थर्सडे का निर्देशन बेहजाद खंबाटा ने किया है, जबकि इसके निर्माता रॉनी स्क्रूवाला हैं। फिल्म का ट्रेलर कल यानी 10 फरवरी को आने वाला है, जिसके साथ रिलीज डेट का भी खुलासा होगाटीजर में एक किंडरगार्टन स्कूल की झलक दिखाई गई है, जिसमें ट्विंकल-ट्विंकल लिटिल स्टार गाते हुए बच्चों की आवाज सुनायी देती है। फिर यामी इसी राइम को दोहराते हुए एंट्री लेती हैं और गोली चलने की आवाज आती है। इससे पहले यामी के चेहरे के भाव रहस्मयी हो जाते हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी कोई खुलासा नहीं हुआ है, मगर माना जा रहा है कि यह अ वेडनेसडे की तर्ज पर फास्ट-पेस्ड थ्रिलर है और संभवतः यानी और बच्चों के इर्द-गिर्द घूमता एक हॉस्टेज ड्रामा है। फिल्म में यामी के साथ डिम्पल कपाडिया, नेहा धूपिया, अतुल कुलकर्णी, माया सराओ और करणवीर शर्मा अहम भूमिकाओं में दिखेंगे। यामी गौतम की पिछली फिल्म भूत पुलिस डिजनी हॉटस्टर पर ही रिलीज हुई थी, जिसमें सैफ अली खान, अर्जुन कपूर और जैकलीन फर्नांडिस के साथ वो लीड रोल में थीं। यामी ने पिछले साल निर्देशक आदित्य धर के साथ शादी की थी। शादी के बाद भूत पुलिस उनकी पहली रिलीज फिल्म थी। सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली यामी की आखिरी फिल्म बाला है, जो सितम्बर 2019 सनी नेटफ्लिक्स पर आयी थी। इस फिल्म में यामी गौतम ने विक्रांत मैसी के साथ फीमेल रोल निभाया था। अ थर्सडे के अलावा यानी दसवीं, लॉस्ट और ओह माई गॉड 2 में भी नजर आएंगी। यामी ने 2012 में शूजित सरकार की फिल्म विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रहने के साथ समीक्षकों की भी पसंद बनी थी। फिल्मों में आने से पहले यामी ने कुछ टीवी धारावाहिकों से अपनी पहचान बनायी थी।

जानिए दीपिका पादुकोण ने प्यार को क्यों बताया 'बोझिल', अच्छा रिलेशनशिप बनाने के लिए कही ये खास बात

नई दिल्ली। वैलेंटाइन डे से कुछ दिनों पहले अभिनेत्री दीपिका पादुकोण की फिल्म गहराइयां रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म में वो अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ रोमांस करती नजर आएंगी। अब उन्होंने एक अच्छे और

स्वस्थ रिलेशनशिप को लेकर कुछ सुझाव और प्यार में महसूस होने वाले अनुभव को भी साझा किया है। साथ ही उन्होंने बताया कि प्यार उनके लिए विश्वास, दोस्ती और भाईचारा है इस बारे में उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, संचार (कंयुनिकेशन) मुझे लगता है कि एक रिश्ते में ईमानदार संचार बेहद महत्वपूर्ण है औ ये जरूरी नहीं है कि रिश्ते में दो लोग हमेशा एक ही पेज पर हों। ये भी कोई जरूरी नहीं है कि वो सभी जगहों पर एक-दूसरे से सहमत हो लेकिन मुझे लगता है कि कुछ चीजों के बारें में आप जिस तरह से महसूस करते हैं और उसके बारे में ईमानदार होते हैं, ये बहुत महत्वपूर्ण है। इसलिए मुझे लगता है कि एक अच्छे और स्वस्थ रिश्ते की चाबी संचार यानी (कंयुनिकेशन) है। वहीं इंटरव्यू में ये पूछे जाने पर कि प्यार में कैसा महसूस होता है। इसका जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा, प्यार अपने आप में एक बहुत ही बोझिल और जटिल शब्द है। क्योंकि प्यार का मतलब अलग-अलग लोगों के लिए बहुत सारी अलग-अलग चीजें हैं। लेकिन जहां तक मेरा सवाल है, मेरे लिए प्यार विश्वास, दोस्ती और भाईचारा है। अभिनेत्री ने आगे कहा, जब आप 19 या 21 साल के होते हैं, तो प्यार की परिभाषा बहुत अलग होती है और जब आप बड़े हो जाते हैं तो इसकी परिभाषा बदल जाती है। गहराइयां की रिलीज का इंतजार बता दें, दीपिका पादुकोण इन दिनों रोमांटिक ड्रामा फिल्म गहराइयां की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, जो प्यार और कठिन रिश्तों के बारे में बात करती है। ये फिल्म 11 फरवरी को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।

सिनेमाघरों में इस हफ्ते रिलीज होंगी बधाई दो, खिलाड़ी और 2 हॉलीवुड फिल्में

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में गिरावट आने के साथ प्रतिबंधों में भी शिथिलता आने लगी है और इसके साथ सिनेमाघरों में कोविड प्रोटोकॉल के साथ एक बार फिर फिल्मों की रिलीज शुरू हो रही है। इस हफ्ते 11 फरवरी को दो नई फिल्में सिनेमाघरों में आ रही हैं। राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर की फिल्म बधाई दो के सामने तेलेगु फिल्म खिलाड़ी होगी, जो हिंदी में भी रिलीज की जा रही है। इनके अलावा दो हॉलीवुड फिल्में भी सिनेमाघरों में उतर रही हैं। हर्षवर्धन कुलकर्णी निर्देशित बधाई दो रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जो लेवेंडर शादी के अहम मुद्दे को रेखांकित करती है। फिल्म में राजकुमार राव पुलिस इंस्पेक्टर शार्दुल की भूमिका में हैं, जबकि भूमि पेडनेकर पीटी टीचर सुमन के रोल में हैं। फिल्म में राजकुमार राव और भूमि पेडनेकर के अलावा सीमा पाहवा, शीबा चड्ढा, लवलीन, नीतीश पांडे और शशि भूषण भी अहम किरदार में नजर आएंगे। इस फिल्म के जरिए राजकुमार राव और भूमि की जोड़ी पहली बार बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आएगी। जंगली पिक्चर्स की यह फिल्म सोशल इशूज पर बनने वाली फिल्मों के सिलसिले को आगे बढ़ाएगी। बधाई दो पहले 11 फरवरी को रिलीज होने वाली अकेली फिल्म थी, मगर पिछले दिनों तेलुगु फिल्म खिलाड़ी के हिंदी में रिलीज होने के एलान के बाद अब इसे बॉक्स ऑफिस पर कड़ी टक्कर मिलने की सम्भावना है। खिलाड़ी में तेलुगु स्टार रवि तेजा के साथ मीनाक्षी चौधरी और डिम्पल हयाती मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन रमेश वर्मा ने किया है। इस फिल्म का निर्माण पेन स्टूडियोज और ए स्टूडियोज ने किया है। रवि तेजा दक्षिण सिनेमा के लोकप्रिय कलाकारों में शामिल हैं। उनकी फिल्मों के रीमेक में हिंदी के सुपरस्टार्स काम कर चुके हैं। रवि तेजा की फिल्म किक के इसी नाम से आये हिंदी रीमेक सलमान खान ने लीड रोल निभाया था। अब इसका सीक्वल भी आ रहा है। विक्रमारकुडु को हिंदी में राउड़ी राठौड़ के नाम से रीमेक किया गया था, जिसमें अक्षय कुमार लीड रोल में थे।

भूल भुलैया 2 के बाद अब इस अनटाइटल्ड फिल्म में नजर आएंगे कार्तिक और कियारा, मार्च में फ्लोर पर आ सकती है फिल्म

नई दिल्ली। अभिनेता कार्तिक आर्यन बैक-टू-बैक कई फिल्मों में लगातार अपने काम को लेकर सुर्खियों में रहते हैं। जबकि सोशल मीडिया पर फैंस उनसे उनकी इस एनर्जी की राज भी जानने की कोशिश करते हैं। इसी बीच खबरें आ रही हैं कि रही है कि कार्तिक और अभिनेत्री कियारा आडवाणी जल्द ही समीर विदवान की फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। मिड डे ने सूत्रों के हवाले से दावा किया

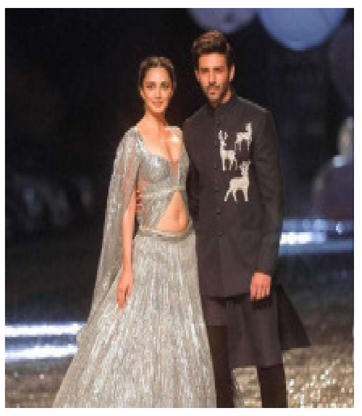

है कि साजिद नाडियाडवाला की अनटाइल्ड फिल्म मार्च में फ्लोर पर आ सकती है। पहले इस फिल्म की शूटिंग को दिसंबर में शुरू किया जाना था लेकिन महामारी की तीसरी लहर के चलते इसको टाल दिया गया था और इस वक्त अभिनेता अपने आगामी प्रोजेक्ट शहजादा की अंतिम शूटिंग को पूरा करने में जुटे हुए हैं। वहीं रिपोर्ट में कहा गया है कि कियारा भी अपनी फिल्मों की शूटिंग में व्यस्त हैं। लेकिन जल्द ही दोनों अपनी फिल्म भूल भुलैया 2 के प्रमोशन की शुरुआत करेंगे और इसके बाद फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकते हैं। फिल्म के टाइटल की विरोध साजिद नाडियाडवाली की इस फिल्म की घोषणा पिछले साल जून में हुई थी। तब फिल्म निर्माता ने इस फिल्म का नाम सत्य नारायण की कथा रखा था, जिसके बाद समाजिक संगठनों द्वारा धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाते हुए, इसका विरोध किया था। इस सबके बाद मेकर्स ने फिल्म के नाम को वापस लेते हुए फिल्म के नाम को बदलने की बात कहीं थी। लेकिन 7 महीनों के बाद भी इस अनटाइल्ड फिल्म के नाम का एलान नहीं हुआ है। वहीं, इस फिल्म में कार्तिक आर्यन और कियारा आडवाणी सत्य और कथा की मुख्य भूमिका निभाते हुए दिखाई देंगे। बता दें, कार्तिका और किराया जल्द ही हॉरर कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 2 में नजर आने वाले हैं। ये फिल्म साल 2007 में आई फिल्म अक्षय कुमार विद्या बालन, परेश रावल और राजपाल यादव द्वारा अभिनीत फिल्म का सीक्वल है लेकिन इस फिल्म की कहानी भूल भुलैया से बिल्कुल अलग बताई जा रही है। के अलावा परेशा रावल, राजपाल यादव मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म को अनीस बज्मी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण भूषण कुमार टी टी-सीरीज के बैनर तले किया जा गया है।

'रक्तांचल' की एक्ट्रेस ने इतनी छोटी ड्रेस पहन करवाया फोटोशूट, केनिशा अवस्थी के बोल्ड पोज ने ढाया कहर

नई दिल्ली। रक्तांचल, मस्तराम और हंसमुख जैसी वेब सीरीज में नजर आ चुकीं अभिनेत्री केनिशा अवस्थी अपने बोल्ड अंदाज को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इन वेब सीरीज में भी उन्होंने अपने हॉट और बोल्ड से काफी सुर्खियां बटोरी थीं। अब केनिशा अवस्थी का सोशल मीडिया पर ऐसा वीडियो सामने आई है, जिसको देखने के बाद उनके फैंस के होश उड़ सकते हैं। केनिशा अवस्थी ने हॉट

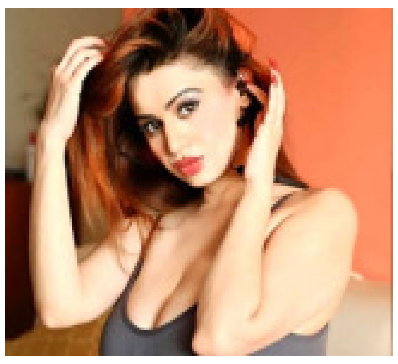

मोनोकनी पहन बोल्ड फोटोशूट करवाया है। अपने इस फोटोशूट के वीडियो को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। केनिशा अवस्थी सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह अपने फैंस से जुड़े रहने के लिए अक्सर खास तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। केनिशा अवस्थी ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। यह वीडियो उनके नए फोटोशूट का है। इस वीडियो में केनिशा अवस्थी का हॉट और बोल्ड अंदाज देखने को मिल रहा है। वीडियो में केनिशा अवस्थी ब्लैक मोनोकनी में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में वह फोटोशूट के दौरान बोल्ड पोज भी दे रही हैं। इस दौरान उन्होंने डार्क मेकअप भी किया हुआ है। इस वीडियो को शेयर करते हुए केनिशा अवस्थी ने खास कैप्शन भी लिखा है। सोशल मीडिया पर केनिशा अवस्थी के बोल्ड फोटोशूट का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। अभिनेत्री के फैंस उनके वीडियो को खूब पसंद कर रहे हैं। साथ ही कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। आपको बता दें कि केनिशा अवस्थी पहली बार वेब सीरीज हंसमुख में नजर आई थीं। इस सीरीज में उनके साथ अभिनेता वीर दास, रणवीर शौरी और रवि किशन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे। इस वेब सीरीज के बाद केनिशा अवस्थी को ओटीटी प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर की सबसे बोल्ड वेब सीरीज मस्तराम में देखा गया है। इस सीरीज में उन्होंने टीचर मिस रिटा का किरादर निभाया था। वेब सीरीज मस्तराम में केनिशा अवस्थी ने कई बोल्ड सीन दिए थे। इसके बाद केनिशा अवस्थी वेब सीरीज रक्तांचल में दिखाई दी थीं। इस सीरीज में भी उनके बोल्ड अंदाज ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं।

हिजाब विवाद के बीच अब K-Pope सिंगर जाइंट पिंक पर भड़के फैंस, गाने में हिंदू धर्म का अपमान करने का आरोप

नई दिल्ली। देश में चल रही हिजाब कंट्रोवर्सी के बीच सोशल मीडिया में सिंगर जाइंट पिंक के एक गाने को लेकर विवाद बढ़ता जा रहा है। साउथ कोरियन पॉप की दुनियाभर में तगड़ी फैन फॉलोइंग है, जिसे आम तौर पर के नाम से जाना जाता है। भारत में भी

कोरियन पॉप के बहुत दीवाने हैं और वहां के पॉप स्टार्स को फॉलो करते हैं। मगर, कोरियन पॉप सिंगर जाइंट पिंक से इंडियन फैंस नाराज हैं। वजह बना है, पिंक का नया गाना, जिसमें भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद का इस्तेमाल पॉप सॉन्ग में किया गया है। फैंस सोशल मीडिया के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। हैरानी इस बात पर भी जतायी जा रही है कि आखिर बिना किसी रेफरेंस या इसका मतलब जाने बिना कृष्ण-अर्जुन के संवाद का इस्तेमाल कैसे कर लिया गया। फैंस ने अपनी आपत्ति और प्रतिरोध गाने के यू-ट्यूब वीडियो पर कमेंट सेक्शन में भी जताया है। जाइंट पिंक का यह गाना 29 दिसम्बर को यू-ट्यूब चैनल एसएम टाउन पर अपलोड किया गया था। गाने को अब तक सात लाख से अधिक व्यूज मिल चुके हैं। लगभग डेढ़ महीने बाद गाना इन कमेंट्स की वजह से एक बार फिर चर्चा में आ गयी है। ट्विटर पर एक के-पॉप फैन ने इसे हाइलाइट करते हुए लिखा- के-पॉप में भगवद् गीता की इस लाइन का प्रयोग करने का आखिर क्या औचित्य है समझ नहीं आ रहा, क्या कहूं। ये लोग कुछ भी कर रहे हैं। निराश हूं हैरान नहीं। इस ट्वीट पर कई दूसरे फैंस ने आपत्ति जताई है। वहीं, जाइंट पिंक को मैनेज करने वाली कम्पनी एसएम एंटरटेनमेंट से माफी मांगने की गुजारिश की है। वहीं, गाने के कमेंट सेक्शन में इसको लेकर बहस छिड़ी हुई है। एक यूजर ने लिखा कि आप लोग हमारी संस्कृति को अपना सौंदर्य बोध के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकते। यह अपमानजनक है। इन लाइनों का गाने में कोई संदर्भ नहीं है। एक अन्य यूजर ने लिखा कि गीता एक पवित्र किताब है। इसके शब्दों को ऐसे ही किसी गाने में मजे के लिए इस्तेमाल नहीं किया जा सकता। एक और यूजर ने लिखा कि मैं के-पॉप की शौकीन हूं लेकिन इससे बहुत निराश हुई हूं। शुरुआत में यूजर्स ने जब पहली बार गाना सुना तो हिंदी की लाइन बीच में आते ही उन्हें झटका लगा। उन्हें लगा कि कुछ गलत सुन रहे हैं क्या। मगर जब बार-बार सुना तो यकीन हुआ कि यह तो हिंदी लाइन है। मगर, अचानक हिंदी लाइन बीच में डालने का मतलब समझ में नहीं आया। आपको बता दें जाइंट पिंक के गाने में गीता के श्लोक का इस्तेमाल नहीं किया गया है बल्कि कृष्ण-अर्जुन के बीच संवाद की एक लाइन डाली गयी है जो इस तरह है- श्रीकृष्ण से अर्जुन लगातार सलाह किया था अगर दुर्योधन इसके पहले और बाद में पॉप के बोल हैं।

'कचरे का बैग', उर्फी जावेद के ड्रेस को देख यूजर कर रहे ऐसे-ऐसे कमेंट, कपड़े देख आपके भी उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस उर्फी जावेद इन दिनों अपनी हॉटनेस की वजह से इंटरनेट पर छाई हुई हैं। उर्फी इन दिनों इंटरनेट सेंसेशन बनीं हुई हैं। 'बिग बॉस' ओटीटी का हिस्सा बनने के बाद उर्फी जावेद

काफी सुर्खियों में हैं। उर्फी खुद को लाइम लाइट में रखने के लिए कुछ ऐसा पहनती हैं कि वह हर किसी की नजरों में आ जाती हैं। वहीं वह लगातार अपने अटपटे ड्रेसिंग सेंस की वजह से सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं। वह लगभग हर दिन ही अपने अनोखे कपड़ों की वजह से चर्चा में रहती हैं। इसी बीच एक बार फिर से उर्फी अपने बोल्ड लुक को लेकर चर्चा में आई हैं। लेकिन इस बार उनका ही फैशन उनके लिए मुसीबत बन गया। यहां देखें वीडियो उर्फी जावेद का यह वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो को वूंपला के इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट किया गया है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी ने लेदर से बनीं ड्रेस पहन हुई हैं। उन्होंने लेदर की ऑफ शोल्डर ब्रालेट के साथ लेदर की पेंट पहनी हुई हैं, जिसमें एडी के पास लास्टिक लगी है। वहीं उनके इस ब्रालेट के एक हाथ में पूरे गल्ब्ज की तरह कवर हुआ है। वहीं, दूसरे हाथ में ऐसा कुछ भी नहीं। वहीं उनके गले में एक पट्टी आ रही है और बैक में एक डोरी है। वहीं इस ड्रेस के साथ उर्फी का सिंपल मेकअप उने लुक को और भी निखार रहा है। इस ड्रेस के साथ उन्होंने अपने बालों में हाई पोनीटेल किया हुआ है। इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि उर्फी ने पैरों में काफी ज्सादा हाई हील्स पहनी हुई है। उनकी यही हाई हील्स उनके लिए मुसीबत बन गई थी। वह इस हील्स की वजह से गिरते गिरते बचीं। इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया पर उर्फी को बुरी तरह से ट्रोल किया जा रहा हैं। इस पर कमेंट कर यूजर्स उन्हें ओवरएक्टिंग की दुकान बोल रहे हैं। वहीं एक ने लिखा, 'राखी सावंत 2।' वहीं दूसरा यूजर लिखता है, 'ये क्या तारकोल चिपका लिया इसने।' तो वहीं एक ने लिखा, 'कचरा बैग।'

दूसरे सीजन में 'लार्जर दैन लाइफ' कैरेक्टर बनेगा भीमा भारती, सोहम शाह ने खोले कैरेक्टर के राज

नई दिल्ली। एक सोनी-लिव पर स्ट्रीम हुई वेब सीरीज महारानी को काफी तारीफें मिली थीं और अब फैंस को अब इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार है। सीरीज में हुमा कुरैशी ने गांव में रहने वाली

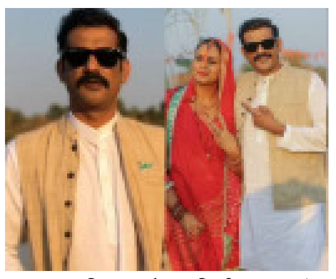

अनपढ़ महिला और गृहिणी का किरदार निभाया था, जो सीधे सूबे की मुख्यमंत्री के पद पर पहुंच जाती है और उसे सियासत की महारानी बनाता है उसका पति भीमा भारती। इस किरदार को सोहम शाह ने निभाया था। पहला सीजन जहां हुमा के किरदार पर केंद्रित था वहीं दूसरा सीजन सोहम के किरदार भीमा भारती पर फोकस होगा। सोहम ने अपने किरदार को लेकर कुछ दिलचस्प बातें साझा कीं। सोहम ने बताया कि इस बार भी वो सीरीज में वही किरदार निभा रहे हैं, लेकिन इस बार इसकी अलग साइड देखने को मिलेगी। जब आप किरदार को समझने लगते हैं तो फिर इसे निभाने के मजा अलग ही होता है। भीमा भारती ऐसा ही किरदार है जो लार्जर दैन लाइफ है। सत्तर और अस्सी के दौर की फिल्मों की तरह पॉवरफुल डायलॉग इसकी खासियत हैं। यह किरदार एक छोटी जगह से आता है और ऐसी फिल्में देखकर मैं बड़ा हुआ हूं, तो यह मेरे लिए पुरानी यादों को ताजा करने जैसा है। सोहम ने इमरान हाशमी स्टारर सीरीज बार्ड ऑफ ब्लड से ओटीटी डेब्यू किया था, जो नेटफ्लिक्स पर आयी थी। डिजनी प्लस हॉटस्टार पर आयी अभिषेक बच्चन की फिल्म द बिग बुल में उन्होंने बेहद अहम किरदार निभाया था, मगर सोहम की अभी भी सबसे बड़ी पहचान तुम्बाड है जिसमें लीड रोल निभाने के साथ उन्होंने इसका निर्माण भी किया था। 2018 में आयी इस माइथोलॉजिकल हॉरर-थ्रिलर फिल्म की चर्चा आज भी होती रहती है। सोहम की पहली चर्चित फिल्म शिप ऑफ थेसियस है। आनंद गांधी निर्देशित इस फिल्म को भी सोहम ने खुद प्रोड्यूस किया था। अपने किरदारों के चयन के बारे में सोहम कहते हैं- कभी-कभी कलाकार के तौर पर आपके काम में एकरूपता आ जाती है। एक जैसे किरदार निभाते रहते हैं। मैं इस मामले में सौभाग्यशाली हूं कि मैंने जितने भी किरदार निभाये हैं, सब अलग हैं। चाहे तुम्बाड हो या शिप ऑफ थेसियस या फिर महारानी। सोहम अभी महारानी 2 की शूटिंग कर रहे हैं। दूसरा सीजन अलग-अलग लोकेशस पर शूट किया जा रहा है। महारानी 2 के अलावा सोहम रीमा कागती की वेब सीरीज फॉलेन में भी दिखेंगे। इस सीरीज से सोनाक्षी सिन्हा डिजिटल डेब्यू कर रही हैं।

उर्वशी रौतेला ने पहनी इनती ज्यादा ट्रांसपेरेंट शर्ट, आर-पार दिखा सब, इस

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला इंडस्ट्री में न सिर्फ एक्टिंग बल्कि अपनी हॉटनेस की वजह से भी जानी जाती हैं। उर्वशी आए दिन अपनी बोल्ड तस्वीरों और

वीडियो से फैंस के दीवाना बनाती हें। फैंस भी एक्ट्रेस की इन तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते हैं। इसी बीच उर्वशी के लेटेस्ट फोटोशूट ने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया है। इन तस्वीरों में उनका बोल्ड लुक देख फैंस क्रेजी हो रहे हैं। यहां देखें तस्वीरें उर्वशी रौतेला सोशल मीडिया पर जबरदस्त एक्टिव रहती हैं। ऐसा शायद ही कोई दिन जो जब वह फैंस के लिए कोई पोस्ट शेयर न करें। इसी बीच उर्वशी ने फैंस के लिए अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में वह बला की हॉट नजर आ रही हैं। तस्वीरों में आप देख सकते हैं कि उर्वशी ने ब्लैक कलर की नेटेड शर्ट पहनी हुई है। ये शर्ट इतनी ट्रांसपेरेंट है कि इसके अंदर उर्वशी का ब्रालेट साफ नजर आ रहा है। वहीं इस शर्ट के आगे एक व्हाइट रंग का कपड़ा लगा हुआ है। इस शर्ट के साथ कलर की पैंट पहनी हुई है।की बात करें तो उन्होंने हाई पोनी की हुई है। इस दौरान उर्वशी पेंटिंग करती दिख रही हैं की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वहीं उनकी हॉटनेस पर फिदा हुए फैंस लगातार इस पर कमेंट कर उनकी तारीफ कर रहे हैं। के वक्र फ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही थ्रिलर फिल्म 'ब्लैक रोजज' में लीड रोल निभाती दिखेंगी। इसके अलावा एक्ट्रेस रणदीप हुड्डा के साथ वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' में भी नजर आएंगी। उर्वशी अब तक 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती', 'सनम रे', 'हेट स्टोरी 4' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।